सूर्योदय 05:23 AM सूर्यास्त 07:22 PM

हिन्दी दैनिक

दिल्ली वार्ता

दिल्ली से प्रकाशित एवं उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, बिहार, बंगाल में प्रसारित।

facebook.com/delhivartanews x.com/delhivartanews instagram/vartanews

वर्ष 20 | अंक : 137 | नई दिल्ली, गुरुवार, 18 जून 2026 | RNI No :- DELHIN/2008/23199 | पृष्ठ - 08, मूल्य ₹ 2, | www.delhivarta.com

एक नजर...

बांदीपोरा में बादल फटने से भारी तबाही, दर्जनों घर सैलाब में डूबे

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा ज़िले में नियंत्रण रेखा के पास गुरेज़ के दूर-दराज़ इलाके में स्थित तुलाल घाटी के टरटेई किलो गांव में बादल फटने की घटना हुई। अचानक और लगातार पानी गिरने और तेज़ी से बहते मलबे के कारण गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए, जिससे दर्जनों रिहायशी मकानों को नुकसान पहुंचा और सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि पानी में डूब गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

बाढ़ जैसे हालात की वजह से स्थानीय लोगों में घंटों तक दहशत का माहौल रहा। लोग अपने बच्चों और जानवरों को बचाते हुए घरों से निकलकर ऊंचे इलाकों की ओर भागने लगे। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले, इसी महीने 4 जून की शाम को जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले के पहाड़ी बाथोई इलाके में बादल फटने की एक और घटना हुई थी, जिसमें कई घर क्षतिग्रस्त हो गए थे। हालांकि, उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

जम्मू क्षेत्र में हाल के दिनों में बादल फटने की यह पांचवीं घटना है। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के तीन ज़िलों डोडा, किश्तवाड़ और पुंछ में बादल फटने की चार घटनाएं हुईं, जिससे कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई और सड़कें बंद हो गईं, हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

जयंती पर महाराणा प्रताप को किया नमन

नई दिल्ली। मेवाड़ के महान योद्धा और राजपूत शासक महाराणा प्रताप की जयंती पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत अन्य नेताओं ने श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा, "वीरता व राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक, महापराक्रमी योद्धा, वीर शिरोमणि, 'राष्ट्र नायक' महाराणा प्रताप जी की जयंती पर उनके चरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूं! इस माटी का कण-कण आपकी वीरता और शौर्य की अमर गाथा से धन्य व गौरवान्वित है। आप युगों-युगों तक देश के युवाओं को मातृभूमि की सेवा और सम्मान के लिए मर-मिटने की प्रेरणा देते रहेंगे।"

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, "महान योद्धा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप अदम्य साहस, अद्भुत शौर्य और दृढ संकल्प के प्रतीक थे। आज उनके जयंती दिवस (तिथि अनुसार) पर उन्हे कोटि-कोटि वंदन।"

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, "राष्ट्र गौरव, स्वाभिमान और अदम्य पराक्रम के प्रतीक, मेवाड़ शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन! राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने संघर्ष, त्याग और आत्मसम्मान का जो आदर्श स्थापित किया, वह आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा।"

बैन के खिलाफ कोर्ट पहुंचा टेलीग्राम

नई दिल्ली। सोशल मीडिया नेटवर्क टेलीग्राम ने रविवार को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनः परीक्षा से कुछ दिन पहले उसके ऐप को अस्थाई रूप से प्रतिबंधित करने के केंद्र सरकार के फैसले को बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

टेलीग्राम कम्पनी ने यह कदम राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के ऐप तक पहुंच को रोकने के केंद्र के फैसले की घोषणा के एक दिन बाद उठाया है। यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि ऐसी चिंताएं थीं कि इस ऐप का उपयोग परीक्षा के प्रश्नपत्रों को लीक करने के लिए किया जा रहा था। सोशल मीडिया पर टेलीग्राम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पावेल डुरोव ने इस प्रतिबंध को एक "गलती" बताया है और तर्क दिया है।

G-7 में ट्रंप ने पीएम मोदी की शान में गढ़े कसीदे

कहा- पीएम मोदी शांत, संयमित और बेहद प्रभावशाली, मैं वैसा नहीं

• एवियन, एजेंसी

फ्रांस में चल रहे G7 समिट के दौरान दुनिया की नजरें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाली मीटिंग पर टिकी हुई हैं। हालांकि, इस बैठक से ठीक पहले ट्रंप का एक बयान आया है, जिसमें वह पीएम मोदी की तारीफें करते दिखाई दे रहे हैं।

जी-7 समिट के एक वर्किंग लंच के दौरान, जहां दुनिया भर के लीडर्स गंभीर मुद्दों पर चर्चा के लिए जुटे थे, ट्रंप ने अचानक पीएम मोदी की तरफ इशारा करते हुए पूरी महफिल के सामने एक बड़ा बयान दे दिया। ट्रंप ने खुले दिल से स्वीकार करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी बेहद शांत, संयमित और बहुत प्रभावशाली हैं... मैं वैसा बिल्कुल नहीं हूं'।

16 महीने बाद हो रही मुलाकात

भारत-अमेरिका के रिश्तों में आए तनाव के बीच पीएम मोदी और ट्रंप करीब 16 महीनों बात मिले हैं। दोनों के बीच पहले वाली दोस्ती मिसिंग लग रही थी। पीएम मोदी ने जी7 के पहले दिन ट्रंप से हाथ मिला था, लेकिन गले नहीं मिले थे और शुरुआत में ली गई जी7 फैमिली फोटो में भी उनके साथ खड़े नहीं हुए थे।

मालूम होता है कि ट्रंप ने इसी टेंशन को पिघलाने के लिए पीएम मोदी की तारीफ का सहारा लिया है। उन्होंने वर्किंग लंच के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की तरफ इशारा करते हुए कह दिया कि 'देखिए उनकी तरफ! वो कितने शांत, कूल (संयमित) और किलर (प्रभावशाली) हैं। मैं ऐसा नहीं हूं'।

मीटिंग में होंगे ये मुद्दे

बता दें कि पीएम मोदी और ट्रंप के बीच आज द्विपक्षीय वार्ता शुरू होने जा रही है। इनमें समुद्री रास्ते की सुरक्षा, टैरिफ, एनर्जी सिक्योरिटी और एच-1बी वीजा जैसे मुद्दों पर बात हो सकती है। इस मीटिंग के दौरान सबसे अहम भारत-अमेरिका ट्रेड डील का मुद्दा रहेगा, जिसका फ्रेम वर्क तैयार हो चुका है लेकिन बात आगे नहीं बढ़ पा रही है।

इससे पहले जी7 के पहले दिन पीएम मोदी मे ओमान तट के पास अमेरिकी हमले में मारे गए 3 भारतीयों की मौत का मुद्दा उठाया था। उन्होंने ट्रंप के बगल में बैठकर कह दिया था कि ऐसी घटनाओं से भरोसे की कमी पैदा होती है और भविष्य की साझेदारियां इसी भरोसे को दोबारा खड़ा करने की कोशिश पर निर्भर करती हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि समुद्री रास्तों और यहां से गुजरने वाले नाविकों की सुरक्षा सभी देशों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। अब ट्रंप के साथ होने वाली बायलेटरल टॉक्स में भी इस मुद्दे पर बात हो सकती है।

महाराणा प्रताप जयंती पर बोले भागवत, अगर मुगल सेना हटी तो जीत किसकी?

• उदयपुर, एजेंसी

उदयपुर में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत ने इतिहास के प्रचलित विवरणों को चुनौती देते हुए कहा कि हल्दीघाटी की लड़ाई में राजपूत राजा की स्पष्ट जीत हुई थी। भागवत ने भारतीय इतिहास में मौजूद गलत नैरेटिव की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सदियों से यहाँ के मूल शासकों के बजाय हमलावरों को महिमामंडित किया गया है। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी की लड़ाई में जीत महाराणा प्रताप और भारत की तरफ से लड़ने वालों को मिली थी – यह बिल्कुल साफ है। ऐतिहासिक बहस एकतरफा थी, लेकिन तथ्य उस नैरेटिव को गलत साबित करते हैं।

इस आम राय पर बात करते हुए कि 1576 की लड़ाई अकबर के नेतृत्व में मुगल साम्राज्य की रणनीतिक जीत के तौर पर खत्म हुई, भागवत ने मुगल इतिहासकारों के बयानों का ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि इतिहासकारों ने खुद माना था कि पहले हमले के बाद उनकी सेना को कई मील पीछे हटना पड़ा था। उन्होंने कहा कि अगर हम खुद मुगल इतिहासकारों की लिखी बातों पर गौर करें, तो वे बताते हैं कि पहले ही हमले में उन्हें अपनी जगह छोड़नी पड़ी और छह-सात मील पीछे हटना पड़ा। तो फिर जीत किसकी हुई? उस दौर में भी ऐसे इतिहासकार थे जो गलत नैरेटिव या कहानियाँ गढ़ते थे।

महाराणा प्रताप की विरासत को आज के समय से जोड़ते हुए भागवत ने कहा कि आज महाराणा प्रताप की जयंती है। कल इस लड़ाई को चार सौ पचास साल पूरे हुए। हल्दीघाटी की लड़ाई को जीत क्यों माना जाता है? इसलिए क्योंकि महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था; आज ही आने वाले कल के नतीजों की वजह बनता है। हमें यह बात समझनी चाहिए। भारतीय सभ्यता और दुनिया पर उसके असर के बारे में बात करते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत का ऐतिहासिक प्रभाव जीत हासिल करने के बजाय सेवा और ज्ञान के ज़रिए फैला।

» शेष पेज 7 पर

कांग्रेस का अमित शाह पर बड़ा हमला, कहा- लोकतंत्र बर्बाद कर रहे, MPs तोड़ने में जुटे

• नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को कमजोर करने और विपक्षी सांसदों को लुभावने प्रस्तावों से अपनी पार्टी में शामिल कराकर दल-बदल को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। जयराम रमेश ने दावा किया कि शाह बीजेपी-विरोधी एजेंडे पर चुने गए नेताओं को निशाना बना रहे हैं, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों पर खतरा मंडरा रहा है। यह आरोप महाराष्ट्र में शिवसेना (UBT) के नेताओं के पाला बदलने की अटकलों के बीच आया है।

पार्टी का कहना है कि बीजेपी उन नेताओं को निशाना बना रही है जो बीजेपी-विरोधी एजेंडे पर चुनाव जीतकर आए थे। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि इस साल की शुरुआत में संसद में मिली हार की भरपाई करने के लिए शाह विपक्ष पर लगातार हमले कर रहे हैं।

रमेश ने X पर एक पोस्ट में कहा कि उनके लुभावने प्रस्ताव उन लोगों को BJP में शामिल होने के लिए आकर्षित कर रहे हैं, जो सिर्फ़ दो साल पहले BJP-विरोधी मज़बूत एजेंडे पर चुने गए थे। कहा जा रहा है कि उन्हें जो फ़ायदे दिए जा रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। गृह मंत्री का ज़िक्र करते हुए रमेश ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री पूरी तरह से मतलबी अभियान चला रहे हैं, जो बहुत अच्छी तरह से व्यवस्थित है और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की तरह ही, लोगों की ज़रूरतों के हिसाब से कई तरह की स्कीम और प्रोडक्ट पेश करता है।

उन्होंने आगे कहा कि उनकी बदनीयती की कोई सीमा नहीं है। लेकिन वे अपने असली मक़सद में कामयाब नहीं हो पाएंगे। महाराष्ट्र में शिवसेना (UBT) से...

» शेष पेज 7 पर

जी-7 सम्मेलन

फ्रांस के एवियान शहर में चल रहे जी-7 सम्मेलन के दौरान आयोजित एक सत्र को संबोधित करते पीएम नरेंद्र मोदी। साथ में हैं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष। फोटो साभार : पीआईबी

साइबर फ्रॉड पर अमित शाह सख्त, साइबर हेल्पलाइन को मजबूत करने के आदेश

• नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को नेशनल साइबरक्राइम हेल्पलाइन 1930 के कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिपोर्टिंग को आसान बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और कई भाषाओं में सहायता की सुविधा को शामिल करके इस सिस्टम को बेहतर बनाया जाए। शाह ने एजेंसियों को राज्यों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश भी दिया, ताकि यह पक्का किया जा सके कि हर कॉल का सही नतीजा निकले और बैंक खाते फ्रीज करने से जुड़ी शिकायतों का समाधान हो सके।

पूरे देश में साइबर अपराध की घटनाओं की रिपोर्टिंग और उन पर कार्रवाई के तरीकों को मजबूत करने के लिए, 30 अगस्त 2019 को इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) के तहत नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) लॉन्च किया गया था। सरकारी साइबरक्राइम पोर्टल के अनुसार, 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध रोकथाम' (CCPWC) योजना के तहत बनाए गए रिपोर्टिंग पोर्टल का पिछला वर्शन सिर्फ़ चाइल्ड पोर्नोग्राफ़ी (CP) और रेप या गैंग रेप (RGR) से जुड़े यौन शोषण वाले कंटेंट की शिकायतों तक ही सीमित था।

» शेष पेज 7 पर

रेल मंत्री का ऐलान, अगले साल मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन भरेगी रफ्तार

• नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का उद्घाटन अगले साल किया जाएगा और इसके पहले चालू होने वाले हिस्से के 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस पहल का मकसद दोनों शहरों के बीच यात्रा के समय को काफी कम करके लगभग दो घंटे सात मिनट तक लाना और भारत में रेल यात्रा के अनुभव को बदलना है। 508 किलोमीटर लंबे इस बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (JICA) की आर्थिक मदद से विकसित किया जा रहा है और इसमें जापान की एडवांस्ड शिंकानसेन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन अगले साल चालू हो जाएगा और इसका उद्घाटन भी होगा। काम तेजी से चल रहा है। अब देश में बुलेट ट्रेन बनाने की क्षमता है। इसलिए प्रधानमंत्री ने एक कॉरिडोर बनाने का फ़ैसला किया है। इस फ़ैसले से मुंबई-पुणे कॉरिडोर (170 किलोमीटर लंबा) के ज़रिए दोनों शहरों के बीच का सफ़र सिर्फ़ 48 मिनट का हो जाएगा। इसका मतलब है कि मुंबई और पुणे जुड़वां शहर बन जाएंगे और यह सुविधा एक बहुत अच्छा इकोनॉमिक कॉरिडोर और बेहतरीन सांस्कृतिक केंद्र बन जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पुणे से हैदराबाद का 500 किलोमीटर का रास्ता घटकर लगभग 2 घंटे 8 मिनट का रह जाएगा। इसका मतलब है कि पुणे, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत, वापी और ठाणे मिलकर एक बहुत अच्छा इकोनॉमिक इकोसिस्टम बन जाएंगे। एक बार शुरू हो जाने पर, बुलेट ट्रेन से यात्री मुंबई और अहमदाबाद के बीच का सफ़र कुछ ही घंटों में पूरा कर सकेंगे, जबकि सड़क या आम ट्रेनों से इसमें काफ़ी ज़्यादा समय लगता है।

नया बुलेट ट्रेन कॉरिडोर मुंबई-पुणे रूट को पूरी तरह बदल देगा और यात्रा का समय घटाकर सिर्फ़ 48 मिनट कर देगा। उम्मीद है कि इस सुधार से मुंबई और पुणे 'ट्विन सिटी' (जुड़वां शहर) के तौर पर स्थापित होंगे और एक मज़बूत आर्थिक कॉरिडोर बनेगा, जिससे विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुणे की रेलवे क्षमता को दोगुना करने के लिए कई प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। पूरे इलाके का अच्छी तरह से अध्ययन करने के बाद एक मास्टर प्लान तैयार किया...

» शेष पेज 7 पर

नया भारत, मजबूत भारत

पीएम मोदी ने बताया, पिछले 12 साल में कैसे मजबूत हुआ भारत का रक्षा तंत्र

• नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की रक्षा क्षमताओं और आत्मनिर्भरता की दिशा में पिछले 12 वर्षों में हुए महत्वपूर्ण बदलावों को लेकर एक 'एक्स' पोस्ट किया है। उन्होंने 'माईगव इंडिया' के एक पोस्ट को रिपोस्ट कर कहा कि इस थ्रेड में बताया गया है कि कैसे भारत ने वायु, जमीन और समुद्र में अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया, स्वदेशी तकनीकों को उन्नत किया और आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है।

बता दें कि 'माईगव इंडिया' द्वारा शेयर किए गए 'एक्स' पोस्ट में कहा गया कि भविष्य उन्हीं देशों का होता है जो समय रहते क्षमता निर्माण, तकनीक और मजबूती पर निवेश करते हैं। भारत की पिछले 12 वर्षों की रक्षा यात्रा इस सोच का एक प्रभावशाली उदाहरण है।

पोस्ट में बताया गया कि बीते 12 वर्षों के दौरान भारत ने वायु, थल और नौसैनिक क्षेत्रों में अपनी स्वदेशी क्षमताओं का विस्तार किया है। साथ ही रणनीतिक तकनीकों के विकास को गति दी गई है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए गए हैं।

तेजस भारत की बढ़ती एयरोस्पेस क्षमताओं और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। एचएएल द्वारा विकसित इस विमान ने साबित कर दिया है कि भारत अपने खुद के फाइटर जेट डिजाइन कर और बना सकता है। तेजस एमके-1ए को शामिल करने और एमके-2 के विकास के साथ, भारत एक मजबूत स्वदेशी कॉम्बैट एविएशन इकोसिस्टम तैयार कर रहा है।

आकाश मिसाइल सिस्टम भारत के एयर डिफेंस सिस्टम का एक अहम हिस्सा बन गया है।अगली पीढ़ी का आकाश-एनजी, तेजी से प्रतिक्रिया देने, बेहतर तरीके से टारगेट को ट्रैक करने और दुश्मन के हमले को रोकने की मजबूत क्षमता के साथ इसके प्रदर्शन को और बेहतर बनाता है। पिनाका ने अपनी गतिशीलता, सटीक निशाना लगाने की क्षमता और स्वदेशी डिजाइन से भारत की आर्टिलरी (तोपखाने) की क्षमताओं को बदल दिया है।

अग्नि-5 ने भारत की रणनीतिक रक्षा क्षमताओं में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। आईएनएस अरिहंत को शामिल करना भारत की रणनीतिक रक्षा यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ। आईएनएस विक्रांत भारत की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमताओं के उदय का प्रतीक है।

भारत की नौसेना का आधुनिकीकरण, प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट्स, प्रोजेक्ट 15बी डिस्ट्रॉयर्स और कलवरी-क्लास सबमरीन्स जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स के जरिए तेजी से आगे बढ़ा है।

दुनिया भर में मशहूर ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर अस्त्र और रुद्रम तक, भारत ने मिसाइल बनाने का एक मजबूत घरेलू सिस्टम तैयार किया है। वहीं, सी-295 प्रोग्राम के बारे में बताया गया है कि यह भारत के एयरोस्पेस सफर में एक नया अध्याय है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली मेट्रो फेस 4: 40 मिनट में पूरा होगा 2 घंटे का सफर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के तहत तीन मुख्य प्राथमिकता वाले कॉरिडोर पर काम जोरों पर जारी है। ये कॉरिडोर दिल्ली के उन इलाकों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेंगे जो अब तक अछूते रहे हैं या जहां कनेक्टिविटी बेहद खराब है। इन प्रोजेक्ट्स के पूरा होने से राजधानी की यातायात व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है।

जनकपुरी पश्चिम से आरके आश्रम मार्ग तक मैजेंटा लाइन एक्सटेंशन लगभग 29 किलोमीटर लंबा होगा। यह बाहरी और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के प्रमुख इलाकों जैसे पीरागढ़ी, मंगोलपुरी, वेस्ट एनक्लेव, मधुबन चौक, प्रशांत विहार और हैदरपुर बादली मोड़ को जोड़ते हुए मजलिस पार्क, आजादपुर होते हुए सीधे सेंट्रल दिल्ली के आरके आश्रम मार्ग तक पहुंचाएगा।

वहीं तुगलकाबाद से एयरोसिटी तक नई गोल्डन लाइन करीब 23 किलोमीटर लंबी होगी। यह बिल्कुल नया कॉरिडोर दक्षिण दिल्ली को इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एयरोसिटी क्षेत्र से सीधे जोड़ेगा। इसके प्रमुख स्टेशनों में तुगलकाबाद, साकेत जी ब्लॉक, खानपुर, छतरपुर और महरौली शामिल हैं।

जबकि मजलिस पार्क से मौजपुर तक पिंक लाइन एक्सटेंशन लगभग 7 किलोमीटर का छोटा लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पिंक लाइन के रिंग रोड लूप को पूरा करेगा। इसके बाद उत्तर और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के इलाके जैसे बुराड़ी, झरोदा और वजीराबाद सीधे मेट्रो नेटवर्क से जुड़ जाएंगे।

फेज-4 के इन कॉरिडोर के चालू होने से दिल्ली में ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में डेढ़ से दो घंटे लगने वाले सफर अब मात्र 30-40 मिनट में पूरा हो सकेंगे। खासकर आउटर दिल्ली (मंगोलपुरी, बुराड़ी, वजीराबाद) से सेंट्रल और साउथ दिल्ली आने वाले यात्रियों तथा तुगलकाबाद-फरीदाबाद क्षेत्र से एयरपोर्ट जाने वालों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

18 से 20 जून तक 42 जगहों पर लगेंगे कैंप, हर समस्याओं का होगा समाधान

नई दिल्ली। नरेन्द्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा सेवा पखवाड़ा मना रही है। छह जून से 21 जून तक चलने वाले इस पखवाड़े में पौधारोपण, सफाई अभियान के साथ ही केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए दिल्ली सरकार ने 18 से 20 जून तक पूरी दिल्ली में 42 स्थानों पर जनकल्याण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है।

शिविर में केंद्र व दिल्ली सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही इसके लिए आवेदन कर सकेंगे। इन योजनाओं का लाभ उठाने में किसी पात्र व्यक्ति को आने वाली परेशानी भी दूर की जाएगी। पानी के गलत बिल के कारण बड़ी संख्या में उपभोक्ता परेशान हैं। बिल में सुधार नहीं होने के कारण लोग पानी बिल जुर्माना माफी योजना का लाभ लेने से वंचित हैं। शिविर में इनकी परेशानी भी दूर की जाएगी।

पिंक कार्ड, राशन कार्ड, ई-श्रम कार्ड, जनधन खाता, लखपति बिटिया योजना, पीएम उदय योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आधार पंजीकरण काउंटर, टैलेंट हब-हौसलों की उड़ान, राष्ट्रीय वयोश्री योजना, गृह कर संबंधी, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, एमएसएमई/ उद्योगों के लिए ऋण सुविधा, एक पेड़ मां के नाम, एससी/एसटी योजनाएं (छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा अध्ययन सहायता, जाति प्रमाण पत्र आदि), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, विधवा पुत्री विवाह सहायता, पानी का लेट बिल जुर्माना माफी योजना व अवैध कनेक्शन नियमितिकरण, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन सहित अन्य पेंशन से संबंधित मामले, 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों व बीपीएल कार्ड धारकों के लिए आयुष्मान कार्ड।

साइबर फ्रॉड करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के सरिता विहार पुलिस ने एक संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह कमीशन के आधार पर साइबर अपराध से हासिल रकम को विभिन्न बैंक खातों से निकालने का काम करता था। पुलिस की इस कार्रवाई से करीब 9 लाख रुपये की संदिग्ध साइबर ठगी की रकम निकाले जाने से बचा ली गई। मामले की जांच के दौरान एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क का भी खुलासा हुआ है।

सरिता विहार पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास, वंश, फैयाज आलम, अमित और बलवीर कुमार के रूप में हुई है। ये सभी दिल्ली के रहने वाले हैं। आरोपियों ने 63 ट्रांजैक्शन के जरिए एक प्राइवेट कंपनी से 10।40 करोड़ रुपये उड़ाए थे।

साउथ ईस्ट के एडिशनल डीसीपी जसबीर सिंह ने बताया है कि संगठित साइबर क्राइम के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में सरिता विहार पुलिस स्टेशन की टीम ने कमीशन-आधारित साइबर फ्रॉड से पैसे निकालने वाले एक सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने साइबर फ्रॉड से जुड़ी लगभग 9 लाख रुपये की संदिग्ध रकम को निकालने से सफलतापूर्वक रोक दिया। यह ऑपरेशन IDFC FIRST बैंक, जसोला के ब्रांच मैनेजर से मिली सूचना के आधार पर शुरू किया गया और इसे Cy-Hawk 5.0 के तहत अंजाम दिया गया। सरिता विहार पुलिस स्टेशन में BNS की कई धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई है।

जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा यह भी हुआ कि इस गिरोह के तार मुंबई में सामने आए एक बड़े धोखाधड़ी के मामले से जुड़े हुए हैं। इस मामले में एक निजी कंपनी को निशाना बनाकर 3 जून से 15 जून 2026 के बीच 63 अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 10.40 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। पुलिस को शक है कि इसी नेटवर्क का इस्तेमाल ठगी की रकम को इधर-उधर करने और निकालने में किया गया। मुंबई का यह मामला दक्षिण साइबर पुलिस स्टेशन, क्राइम ब्रांच में दर्ज है।

पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ठगी की रकम किन-किन खातों और लोगों तक पहुंची। दिल्ली पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी इस बड़े साइबर नेटवर्क का केवल एक हिस्सा हैं। पकड़े गए सभी आरोपी दिल्ली के रहने वाले हैं। गिरोह के कुछ अन्य सदस्य अभी भी फरार हैं और उनकी तलाश के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

गर्लफ्रेंड के साथ मिलकर चुराई करोड़ों की ज्वेलरी, पिता सहित 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली/गाजियाबाद: गाजियाबाद के पॉश इलाके राजनगर स्थित प्रतिष्ठित तनिष्क शोरूम में हुई करोड़ों की हाई-प्रोफाइल चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से करोड़ों रुपये के आभूषण बरामद किए गए हैं। शोरूम में काम करने वाले कर्मचारी नितिन ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मिलकर चोरी की योजना तैयार की थी।

वहीं, इस वारदात के बाद मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस द्वारा पांच टीमों का गठन किया गया। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय सूचना और मुखबिर की सूचना के आधार पर नितिन वर्मा, संजय वर्मा और काजल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, नितिन वर्मा घटना का मास्टरमाइंड है, जो शोरूम में सेल्समैन का काम करता था। शोरूम में रखें सोने के आभूषणों को देखकर नितिन के मन में चोरी करने का विचार आया। नितिन अपने पिता संजय वर्मा, अपनी महिला मित्र और दो अन्य साथियों से इस बारे में चर्चा की। इसके बाद सभी ने मिलकर तनिष्क शोरूम से जूलरी चोरी करने की योजना तैयार की। योजना के तहत 11 जून की शाम उसने शोरूम के सभी स्टाफ को अपनी शादी तय होने की बात कह दावत दी।

पार्टी के दौरान शोरूम की चाबी रखने वाले कैशियर गौतम राज को जमकर शराब पिलाई और उसे घर छोड़ने के बहाने उसके बैग से शोरूम के मुख्य द्वार की चाबियां चोरी कर ली। अगले दिन सुबह 12 जून को नितिन अपने एक साथी चित्तरंजन के साथ शोरूम पहुंचा। चोरी की गई चाबी से ताला खोला और अंदर दाखिल हुआ। जबकि, साथ आया साथी चित्तरंजन बाहर खड़े होकर पहरेदारी करता रहा। शोरूम से ज्वेलरी चोरी करने के बाद दोनों फरार हो गए। DCP सिटी धवल जायसवाल के मुताबिक, योजना में शामिल सभी आरोपियों ने चोरी के बाद ज्वेलरी का बंटवारा किया। इसी बीच रास्ते में थोड़ी बहुत ज्वेलरी राह चलते लोगों को बेच भी दी।

30 मिनट में सफर, 'नमो शहर' में आशियाना; NCR रीजनल प्लान-2041 से बदल जाएगी तस्वीर

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली-NCR में आने वाले सालों में कई सारे बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। एनसीआर रीजनल प्लान-2041 के तहत यह एरिया एक ऐसे क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां हर तरह की सुविधाएं तेजी और आसानी से प्राप्त हो सकेंगी। इस प्लान का मकसद नार्थ इंडिया के सबसे बड़े शहरी क्षेत्र में लोगों के रहने, काम करने और ट्रैवल करने के तरीके में व्यापक बदलाव लाना है।

2041 तक दोगुना हो जाएगी आबादी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) यानी दिल्ली सहित हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई शहरों का समूह। इस क्षेत्र पर जनसंख्या का दबाव बहुत तेजी से बढ़ रहा है। करीब साढ़े पांच करोड़ की आबादी वाले इस क्षेत्र में साल 2041 तक आबादी दोगुना होकर 11 करोड़ तक पहुंच सकता है। आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर के बदलाव पर ध्यान रखते हुए हाल ही में NCR प्लानिंग बोर्ड ने रीजनल प्लान-2041 की समीक्षा की। बोर्ड ने नेशनल कैपिटल रीजन की मौजूदा सीमाओं को बनाए रखने और साथ ही संतुलित क्षेत्रीय विकास पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया।

30 मिनट के अंदर पूरे एनसीआर में पहुंच

एनसीआर रीजनल प्लान-2041 के केंद्र में चार प्रस्तावित 'नमो सिटीज' और '30 मिनट में एनसीआर' है। इस प्लान के कामयाब रहने पर 30 मिनट के अंदर पूरे एनसीआर में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचना संभव हो सकेगा। एनसीआर रीजनल प्लान-2041 के ड्राॅफ्ट के मुताबिक एनसीआर की आबादी 2011 में 5.81 करोड़ से बढ़कर 2041 तक लगभग 11.3 करोड़ होने का अनुमान है।

तेजी से बढ़ेगा शहरीकरण का स्तर

कई दशकों से दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा ने एनसीआर के विकास का ज्यादातर हिस्सा संभाला है। जानकारों का कहना है कि यह मॉडल अब अपनी आखिरी सीमा की

ओर पहुंच रहा है। सिर्फ दिल्ली और उससे सटे इलाकों के ही विकास से बात नहीं बनेगी।

इस पूरे क्षेत्र में शहरीकरण का स्तर तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। लोग नौकरी और बेहतर मौकों की तलाश में शहरों की ओर आ रहे हैं।

नाइट फ्रैंक इंडिया की एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित एनसीआर रीजनल प्लान 2041 से हाउसिंग, ट्रांसपोर्ट और सिविक इंफ्रास्ट्रक्चर में 20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आ सकता है। इससे नार्थ इंडिया के रियल एस्टेट मार्केट की ग्रोथ की दिशा बदल सकती है।

'30 मिनट में NCR' का आइडिया

इस प्लान में '30 मिनट में NCR' का भी विजन है। इसका मकसद इस क्षेत्र में ट्रैफिक सिस्टम को इस कदर बनाना है कि लोग आधे घंटे के अंदर मुख्य रिहायशी और कमर्शियल सेंटर्स के बीच आ-जा सकें। यही कारण है कि एनसीआर में आरआरटीएस कॉरिडोर, मेट्रो लाइन, हाईवे और रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के नेटवर्क पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जीडीपी में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान

जानकारों का कहना है कि एनसीआर पहले से ही भारत की जीडीपी में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान देता है। यह क्षेत्र देश के सबसे बड़े रोजगार केंद्रों में से एक बना हुआ है।

प्रस्तावित नमो शहर के साथ ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, यमुना एक्सप्रेसवे, द्वारका एक्सप्रेसवे और बढ़ते मेट्रो और आर-आरटीएस नेटवर्क जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों की तस्वीर बदल सकते हैं।

अंजना ओम कश्यप को दिल्ली HC से नहीं मिली राहत

• नई दिल्ली, एजेंसी

अपमानजनक टिप्पणियां करने को लेकर फैसल खान (खान सर) सहित अन्य के खिलाफ टीवी एंकर अंजना ओम कश्यप द्वारा दायर मानहानि मुकदमा पर बुधवार को एक बार फिर दिल्ली हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि पूर्व में जारी नोटिस पर कई प्रतिवादियों ने जवाब नहीं दाखिल किया है। ऐसे में जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाता है। मामले पर अगली सुनवाई दो जुलाई को होगी।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो को हटाने की अंजना की तरफ से की गई मांग को अदालत ने ठुकरा दिया। इससे पहले भी आठ जून को मामले में नोटिस जारी करते हुए अदालत ने कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इंकार कर दिया था।

'स्लम एवं जे.जे. पुनर्वास नीति-2026' को मिली मंजूरी, घर का सपना होगा साकार

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के झुग्गी एवं जेजे (झुग्गी-झोपड़ी) क्लस्टरों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर लाखों परिवारों के लिए एक राहत भरी खबर है। यहां रहने वाले लोगों को आवास उपलब्ध कराने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक निर्णायक कदम उठाया है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंगलवार देर शाम एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में 'दिल्ली स्लम एवं जे.जे. क्लस्टर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति-2026' को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस नीति के लागू होने से दिल्ली के झुग्गीवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने इस निर्णय की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पुनर्वास प्रक्रिया को अब मिशन मोड पर चलाया जाएगा।

हर माह जारी होंगे पांच टेंडर

पुनर्वास कार्यों को गति देने के लिए सरकार ने एक ठोस कार्ययोजना तैयार की है। नीति के तहत, अब प्रत्येक माह कम से कम पांच पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) आधारित पुनर्वास परियोजनाओं के टेंडर जारी किए जाएंगे। इस कदम से न केवल निर्माण कार्य में तेजी आएगी, बल्कि झुग्गीवासियों को उनके पक्के घर मिलने का इंतजार भी कम होगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पुनर्वास कॉलोनियों के निर्माण में आंगनवाड़ी केंद्र, शैक्षणिक सुविधाएँ, स्वास्थ्य केंद्र, खेल मैदान जैसी सामूहिक सुविधाओं का समुचित एवं पर्याप्त प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि आज के निर्णय से दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 4 लाख परिवारों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि झुग्गियों की पात्रता की तिथि 01.01.2025 के अनुसार तय की जाए।

केवल घर ही नहीं, मिलेंगी तमाम सुविधाएं

नई पुनर्वास कॉलोनियों में निवासियों के लिए सर्वांगीण विकास की व्यवस्था की जाएगी। इन कॉलोनियों में आंगनवाड़ी केंद्र, आधुनिक विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र और बच्चों के लिए खेल के मैदान जैसी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का मानना है कि पुनर्वास का अर्थ केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि झुग्गीवासियों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार होना चाहिए।

जल्द अधिसूचित होगी नीति

बैठक के बाद मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली भाजपा सरकार इस नीति को जल्द ही आधिकारिक तौर पर अधिसूचित करेगी। अधिसूचना जारी होते ही धरातल पर काम शुरू हो जाएगा। इस परियोजना से दिल्ली में रहने वाले लाखों परिवारों के वर्षों पुराने पक्के घर के सपने को पंख लगेंगे। यदि इस नीति का क्रियान्वयन तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ होता है, तो यह दिल्ली के शहरी परिदृश्य को बदलने वाली एक मील का पत्थर साबित होगी।

दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद का कहना ही कि यह नीति दिल्ली को एक सुनियोजित शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। कच्चे और असुरक्षित घरों से निकलकर परिवारों का पक्के घरों में जाना स्वास्थ्य और सुरक्षा के दृष्टिकोण से बदलाव होगा। पीपीपी मॉडल और समयबद्ध टेंडर प्रक्रिया से भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम होगी और काम में पारदर्शिता आएगी। नीति के अंतिम रूप दिए जाने के बाद, अब चरणबद्ध तरीके से उन क्लस्टरों की सूची तैयार की जाएगी जिनका पुनर्वास पहले किया जाना है। सरकारी तंत्र अब उन निजी डेवलपर्स के साथ तालमेल बिठाने पर काम करेगा जो इन परियोजनाओं के लिए बोली लगाएंगे।

इस नीति का प्राथमिक उद्देश्य दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले लाखों परिवारों को एक सम्मानजनक और सुरक्षित आवास प्रदान करना है। यह नीति केवल आवास देने तक सीमित नहीं है, बल्कि पुनर्वास की एक व्यापक प्रक्रिया है जो लाभार्थियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने पर केंद्रित है।

इस परियोजना को गति देने के लिए 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (पीपीपी) मॉडल को अपनाया गया है। इसमें निजी डेवलपर्स के सहयोग से झुग्गीवासियों के लिए बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाएगा। सरकार ने पुनर्वास की गति को बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रत्येक माह कम से कम 5 पीपीपी-आधारित परि-योजनाओं के टेंडर जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ताकि काम में कोई देरी न हो।

दिल्ली में पांच दिन बरसेंगे बादल, आंधी-तूफान का भी अलर्ट

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में पिछले दो तीन दिनों से झमाझम बारिश हो रही है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से मौसम में आए इस बदलाव की वजह से तापमान में भी गिरावट आई है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इस बीच मौसम विभाग ने आज भी मौसम बदलने की संभावना जताई है। पूर्वानुमान के मुताबिक आज शाम के समय तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है जिससे मौसम एक बार फिर सुहाना हो सकता है।

इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है। अधिकतम तापमान 36-38 और न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री दर्ज किया जा सकता है जो की सामान्य से 5.5 डिग्री म है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिन दिल्ली में ऐसी ही स्थिति रह सकती है।

कल यानी 18 जून को भी दिल्ली में आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। फिर शाम या रात के समय आंधी तूफान के आसार है। इस दौरान गरज चमक के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है। 19, 20 और 21 जून को भी यही स्थिति बने रहने की संभावना जताई गई है। इन पांचों दिन अधिकतम तापनाम 38-40 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 28-31 डिग्री के बीच रह सकती है। वहीं 22 और 23 जून को आंशिक तौर पर बादल छाए रहने की उम्मीद है।

इससे पहले सोमवार को आंधी-तूफान आने और बिजली चमकने के संबंध में 'रेड' और 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया गया था। पालम में 1.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि आयानगर में 0.6 मिलीमीटर बारिश हुई। लोधी रोड पर हल्की बूंदाबांदी हुई। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा। इस बीच प्रदूषण भी स्तोषजनक श्रेणी में बताया जा रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़े के अनुसार, सुबह नौ बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 81 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

लाल किला ब्लास्ट मामला: आरोपी जावेद अहमद सिद्दीकी की अंतरिम जमानत याचिका पर हाईकोर्ट ने ED से मांगा जवाब

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने लाल किला ब्लास्ट से जुड़े मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी की अपनी पत्नी की इलाज के दौरान देखभाल के लिए दायर अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। जस्टिस मधु जैन की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 24 जून को करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। 9 जून को साकेत कोर्ट ने जावेद अहमद सिद्दीकी की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

साकेत कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। जावेद अहमद सिद्दीकी ने कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रही अपनी पत्नी की इलाज के दौरान देखभाल के लिए छह हफ्ते की अंतरिम जमानत की मांग की है। जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी लाल किला ब्लास्ट के बाद से ही जांच एजेंसियों के रडार पर थी। लाल किला ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों का संबंध अल फलाह यूनिवर्सिटी से पाया गया जिसके बाद इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच शुरू की गई।

देर रात युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, मौके पर ही मौत

• नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहल उठा। H ब्लॉक में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके का H ब्लॉक देर रात गोलियों की आवाज से गूंज उठा। अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अचानक कई राउंड फायरिंग की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग डर के कारण अपने घरों में दुबक गए और कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू की गई और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। प्राथमिक जांच में पुलिस आपसी रंजिश और गैंगवार के एंगल को भी खंगाल रही है। हालांकि अधिकारी अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रहे हैं और सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।

गुरु रंधावा जिम फायरिंग मामला: लॉरेंस गैंग का 2 शूटर गिरफ्तार

• नई दिल्ली, एजेंसी

बाहरी दिल्ली के पॉश इलाके पश्चिम विहार स्थित पंजाबी गायक गुरु रंधावा के जिम पर हुई फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इस वारदात की जिम्मेदारी अमेरिका में बैठे गैंगस्टर अनिल पंडित ने ली थी, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है।

स्पेशल कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) एचजीएस धालीवाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी 19 वर्षीय अरमान और 21 वर्षीय तुषार उर्फ ताशु उर्फ पिंकू के रूप में हुई है। दोनों को 15 जून को हरियाणा के बहादुरगढ़ से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने जिम पर फायरिंग की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के अनुसार 11 जून की सुबह करीब चार बजे पश्चिम विहार स्थित 24HS फिटनेस जिम के बाहर बाइक सवार बदमाशों ने गोलियां चलाई थीं। घटना में कोई घायल नहीं हुआ था, लेकिन मौके से सात खाली कारतूस बरामद हुए थे। इसके बाद पश्चिम विहार ईस्ट थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

जांच के दौरान सोशल मीडिया पर अनिल पंडित का एक पोस्ट सामने आया, जिसमें उसने फायरिंग की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि यह हमला लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से किया गया है।

पोस्ट में यह भी कहा गया था कि गुरु रंधावा को बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से दूरी बनाए रखने की चेतावनी दी गई थी। गैंग ने सलमान खान को अपना दुश्मन बताते हुए इस फायरिंग को चेतावनी के तौर पर अंजाम देने का दावा किया। स्पेशल कमिश्नर एचजीएस धालीवाल के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज, खुफिया जानकारी और करीब 100 किलोमीटर तक आरोपियों के भागने के रूट का विश्लेषण किया। जांच के दौरान साहिल, सागर, अरमान और तुषार के नाम सामने आए। इसके बाद मामले की जांच स्थानीय पुलिस से लेकर क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि अरमान मुख्य शूटर साहिल और सागर का रिश्तेदार है, जबकि तुषार हाल ही में रूस से वापस लौटा था। दोनों कथित तौर पर अनिल पंडित के निर्देश पर इस वारदात की साजिश में शामिल हुए।

एलजी का फैसला

दिल्ली के हर जिले में बनेगा महिला थाना, डीटीसी बसों में तैनात होंगी होम गार्ड मार्शल

• नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह सिंधु ने बुधवार को महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान डीटीसी बस नेटवर्क में महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। वहीं, महिलाओं और बच्चों के साथ छेड़छाड़, उत्पीड़न और छेड़खानी पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने की बात कही। इन बैठकों के संदर्भ में एलजी ने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर सूचना जारी की।

बैठक में तय किया गया कि लेडीज स्पेशल बसों में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। इन बसों को महिला स्टाफ द्वारा संचालित किया जाएगा। खासकर, उन कमजोर रूट्स पर जहां महिला यात्री ज्यादा हैं। इसके अलावा महिला होम गार्ड मार्शल को भी तैनात करने का फैसला लिया गया है ताकि यात्रियों की सुरक्षा और विश्वास बढ़ सके।

बसों में लगे पैनिक बटन को सीधे 112 पीसीआर इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम से जोड़ दिया जाएगा। इससे इमरजेंसी में तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया मिल सकेगी। इसके अलावा दिल्ली पुलिस जल्द ही हर जिले में समर्पित ऑल-वुमन पुलिस स्टेशन स्थापित करेगी। ये स्टेशन विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से संबंधित शिकायतों को संवेदनशीलता और दक्षता के साथ संभालेंगी। बैठक में दिल्ली पुलिस आयुक्त और परिवहन विभाग के सचिव भी मौजूद रहे।

इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल ने पोक्सो एक्ट के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में दिल्ली पुलिस आयुक्त, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव और शिक्षा निदेशक मौजूद रहे। बैठक में एलजी ने दिल्ली के सभी स्कूलों में पोक्सो एक्ट और इससे संबंधित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग को सख्त निर्देश दिए कि जो संस्थान इन दिशा-निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

इसके अलावा दिल्ली पुलिस स्कूल परिसरों और छात्रों के प्रमुख स्थानों पर मजबूत और दृश्यमान तैनाती सुनिश्चित करे, खासकर स्कूल छूटने के समय। बच्चों के खिलाफ किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और अभिभावकों-छात्रों में विश्वास बढ़ाने के लिए सक्रिय सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

महिलाओं और बच्चों के साथ छेड़छाड़, उत्पीड़न और छेड़खानी पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाए।

पांचना के पानी पर आर-पार; पटरी पर किसान, किरोड़ी ने अपनी सरकार को दी चेतावनी

• जयपुर, एजेंसी।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा एक बार फिर से अपनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते नजर आ रहे हैं। पांचना बांध से पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर किरोड़ी ने सीएम भजनलाल शर्मा को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने हाईकोर्ट के आदेशों हवाला देते हुए पांचना बांध से नहरों में तत्काल पानी छोड़ने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो उन्हें 'मजबूरन कुछ कदम उठाने पड़ सकते हैं।'

गौरतलब है कि कमांड एरिया के 35 गावों के लोग अपनी मांग को लेकर 13 दिन से गंगापुर सिटी इलाके के खंडीप गांव में महापड़ाव डाले हुए बैठे हैं। 5 जून से अपनी अपनी मांगों को मनवाने के लिए महापड़ाव डाले बैठे ये किसान सोमवार, मंगलवार और बुधवार को लगातार तीन दिन तक रेलवे ट्रैक भी जाम कर चुके हैं। डॉ. मीणा ने पत्र में कहा कि सवाई माधोपुर के खंडीप गांव में कमांड एरिया के किसान लंबे समय से धरना दे रहे हैं और लगातार उनसे हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को कैचमेंट एरिया और कमांड एरिया के लोगों से तत्काल बातचीत कर विवाद का समाधान निकालना

चाहिए, ताकि नहरों में पानी छोड़ा जा सके।

20 साल से पानी का इंतजार

कृषि मंत्री ने दावा किया कि पांचना बांध परियोजना पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद वर्ष 2006 से कमांड एरिया के किसानों को सिंचाई का पानी नहीं मिल रहा है। इससे 35 गांवों की करीब 40 हजार बीघा भूमि प्रभावित हुई है और 1.25 लाख लोगों के सामने सिंचाई व पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि पानी नहीं मिलने से किसानों को हर साल करीब 200 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। पिछले दो दशकों में यह नुकसान 4000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। इससे क्षेत्र में बेरोजगारी बढ़ी है और पलायन की स्थिति पैदा हुई है। किरोड़ी ने पत्र में उल्लेख किया कि राजस्थान हाईकोर्ट कई बार पांचना बांध से नहरों में पानी छोड़ने के आदेश दे चुका है। इसके बावजूद आदेशों की पालना नहीं हुई। हाल ही में अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान भी हाईकोर्ट ने तत्काल पानी छोड़ने के निर्देश दिए थे और अधिकारियों को तलब करने की चेतावनी दी थी।

राजस्थान के करौली जिले में स्थित पांचना बांध का जल विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। करीब 20 वर्षों से लंबित यह मामला हाल ही में हाईकोर्ट के नहरों में तीन सप्ताह के भीतर पानी छोड़ने के आदेश के बाद फिर चर्चा का विषय बन गया है। पांचना परियोजना के कमांड एरिया में करौली और सवाई माधोपुर जिले के 35 गांव शामिल हैं, जहां के किसान सिंचाई के लिए बांध से नहरों में पानी छोड़ने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, बांध के आसपास बसे 39 गांवों के लोग पहले अपने क्षेत्र की जल जरूरतें पूरी करने की मांग पर अड़े हुए हैं।

पैंथर के जबड़े से भाई को खींच लाई बहन, 15 मिनट तक लड़ी; अब हो रही तारीफ

सवाई माधोपुर, एजेंसी। सवाई माधोपुर जिले से बहादुरी की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। खंडार क्षेत्र के टोडरा गांव में एक बहन ने अपनी जान की परवाह किए बिना पैंथर के हमले का सामना किया और अपने भाई को मौत के मुंह से वापस खींच लाई। यह पूरी घटना सोमवार देर रात की है, जब रणथंभौर क्षेत्र से भटककर एक पैंथर आबादी वाले इलाके में पहुंच गया। जानकारी के अनुसार रात करीब एक बजे रणथंभौर की फलौदी रेंज से निकला पैंथर टोडरा गांव के गुर्जर मोहल्ले में पहुंच गया। घनी आबादी के बीच वह कई मकानों की छतों से होता हुआ बद्रीलाल गुर्जर के करीब 15 फीट ऊंचे मकान की छत पर जा पहुंचा। उस समय परिवार के सदस्य छत पर सो रहे थे। इसी दौरान पैंथर ने सो रहे राज गुर्जर पर हमला कर दिया और उसके सिर को जबड़ों में दबोच लिया।

फिर साथ दिखे गहलोत और पायलट, राहुल गांधी के कार्यक्रम में दोनों अगल-बगल बैठे

• कोटा, एजेंसी।

कोटा में राहुल गांधी के छात्रों से संवाद कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट एक साथ नजर आए। इसके पहले अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच मानेसर कांड को लेकर खींचतान चल रही थी। अशोक गहलोत ने कई बार अपने बयानों में सचिन पायलट को लेकर टिप्पणियां कीं। हालांकि सचिन पायलट ने कभी इसका विरोध नहीं किया।

पिछले दिनों दौसा में एक कार्यक्रम में सचिन पायलट ने ये जरूर कहा था कि अशोक गहलोत के लिए वे उनके बेटे वैभव गहलोत के सामान हैं। कोटा एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए दोनों नेता पहुंचे।

सभी कांग्रेस नेताओं से अलग वे एक साथ आजू-बाजू बैठे नजर भी आए। वे आपस में बात भी करते दिख रहे थे। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद एक बार राजस्थान की सियासत में दोनों के रिश्तों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कोटा में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि देश एक चुनौती का सामना कर रहा है। पेपर लीक के कारण लाखों परिवारों के साथ धोखा हुआ है, उनकी मेहनत बेकार चली गई है। राहुल गांधी इस धोखाधड़ी के लिए जवाबदेही तय करने की बात कर रहे हैं।

खोह-नागोरियान अग्निकांडः मुख्य आरोपित कय्यूम खान चार दिन की पुलिस रिमांड पर

• जयपुर, एजेंसी।

खोह-नागोरियान थाना क्षेत्र के करीम नगर बी तलाई स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट और आगजनी में आठ लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित कय्यूम खान को गिरफ्तार कर बुधवार सुबह कोर्ट में पेश किया। अदालत ने आरोपित को बीस जून तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में अवैध पटाखा कारोबार और इससे जुड़े नेटवर्क के कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

खोह-नागोरियान थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि नौ जून को हुए हादसे के बाद से कय्यूम खान फरार था। वह जयपुर के शास्त्री नगर और झोटवाड़ा में छिपने के बाद टोंक, गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश के अन्य इलाकों में लगातार ठिकाने बदलता रहा। पुलिस को उसके जयपुर लौटने की सूचना मिलने पर मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि जिस मकान में अवैध पटाखा फैक्ट्री संचालित हो रही थी। उसका मालिक कय्यूम खान है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री संचालन में उसकी साझेदारी भी थी। हालांकि कोर्ट में पेशी से पहले मीडिया से बातचीत में आरोपित कय्यूम ने खुद को केवल मकान मालिक बताते हुए कहा कि उसने भवन किराए पर दिया था और फैक्ट्री में उसकी कोई हिस्सेदारी नहीं थी। उसने हादसे में आठ लोगों की मौत पर दुख जताया। लेकिन कारोबार और साझेदारी से जुड़े सवालों पर चुप्पी साध ली। पुलिस के अनुसार आरोपित के पास पटाखा निर्माण या विस्फोटक सामग्री के भंडारण संबंधी कोई वैध लाइसेंस अथवा दस्तावेज नहीं मिले हैं। इस मामले की जांच के लिए पुलिस,जेडीए, नगर निगम, बिजली विभाग और पीएचईडी से भवन एवं स्वामित्व संबंधी दस्तावेज जुटा रही है। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपितों से जुड़े पांच अवैध विस्फोटक गोदाम भी चिन्हित कर सीज किए हैं। इन स्थानों पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी। इस मामले में कय्यूम खान सहित तीन आरोपितों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

विद्युत लाइन का तार टूट कर झोंपड़े पर गिरा, सास-बहू की मौत, आग लगने से घरेलू सामान जला

• चित्तौड़गढ़, एजेंसी।

जिले के निम्बाहेड़ा सदर थाना क्षेत्र के ग्राम धनोरा में मंगलवार देर रात बिजली विभाग की लापरवाही ने एक ही परिवार की दो जिंदगियां लील लीं। खेत पर बने झोपड़ीनुमा घर में सो रहे परिवार पर उस वक्त कहर टूट पड़ा जब 11 केवी हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर एलटी लाइन पर जा गिरा। हाई वोल्टेज से एलटी तार भी टूट गया और उसमें दौड़े करंट की चपेट में आने से सास-बहू की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने दोनों के शव की निंबाहेड़ा चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

निम्बाहेड़ा सदर थाने के एएसआई संतोष तिवारी ने बताया कि थाने पर धनोरा निवासी भोपराज प्रजापत ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। भोपराज ने बताया कि रात करीब 2.30 बजे उसकी पत्नी मंजू प्रजापत, माता संतु बाई और बच्चे खेत पर बने झोपड़े में सो रहे थे। झोपड़ी के पास से गुजर रही 11 केवी लाइन का तार अचानक टूट कर नीचे एलटी लाइन पर गिर गया। हाई वोल्टेज के दबाव से एलटी लाइन का तार भी टूट कर नीचे आ

गिरा। इसी दौरान टूटे हुए एलटी तार और उसमें प्रवाहित हाई वोल्टेज करंट की चपेट में पहले मंजू प्रजापत आ गईं। बहू को तड़पता देख बचाने के लिए दौड़ी सास संतु बाई भी करंट की चपेट में आ गईं। दोनों महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं। चीख-पुकार सुन कर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन और ग्रामीण तत्काल दोनों को उपचार के लिए निम्बाहेड़ा जिला अस्पताल लेकर भागे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के दौरान झोपड़ीनुमा घर में आग भी लग गई, जिसे ग्रामीणों ने बुझाया।

हादसे की सूचना पर निम्बाहेड़ा सदर थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। प्रार्थी भोपराज प्रजापत की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया है।

इस दर्दनाक हादसे के बाद धनोरा गांव में शोक की लहर है। एक साथ सास-बहू की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्राम पंचायत के प्रशासक भोपाराज टांक ने बताया कि घटना बेहद दुखद है। बिजली विभाग की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने मांग की है कि मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए और जर्जर विद्युत लाइनों को तुरंत बदला जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी का आरोपित मुस्ताक पांच दिन की रिमांड पर

• जयपुर, एजेंसी।

सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान की ओर से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार मुस्ताक अली (26) को बुधवार सुबह जयपुर की अवकाशकालीन अदालत में पेश किया गया। जहां विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम की अवकाशकालीन अदालत ने आरोपित मुस्ताक अली को पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया। सीआईडी इंटेलिजेंस ने सात दिन की रिमांड की मांग की थी। अब आरोपित मुस्ताक अली को 22 जून को पुनः न्यायालय में पेश किया जाएगा।

पेशी से पूर्व आरोपित का जयपुरिया अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद सीआईडी इंटेलिजेंस की टीम उसे कोर्ट लेकर पहुंची। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (इंटेलिजेंस) प्रफुल्ल कुमार के अनुसार जांच में सामने आया है कि मुस्ताक पिछले दो वर्षों से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के हैंडलर्स के संपर्क में था। उसे जैसलमेर जिले के नाचना क्षेत्र में सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गतिविधियों पर नजर रखने का जिम्मा सौंपा गया था। इसी उद्देश्य से पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उसे मुख्य सड़क पर चाय की दुकान खुलवाने की सलाह दी थी। सीआईडी इंटेलिजेंस ने को जैसलमेर जिले के नाचना थाना क्षेत्र के खारिया गांव से उसे हिरासत में लिया था। सीआईडी इंटेलिजेंस के विशेष लोक अभियोजक सुदेश सत्वान ने बताया कि आरोपित के मोबाइल फोन से दो संदिग्ध नंबर मिले हैं, जो 'खालिद' और 'नजीर अहमद' के नाम से सेव थे। दोनों पाकिस्तान में रहकर एजेंट कोऑर्डिनेटर और ट्रेनर के रूप में कार्य करते हैं। नजीर अहमद आरोपित का रिश्तेदार भी बताया जा रहा है। जांच में सामने आया कि मुस्ताक गूगल मैप कैमरा एप्लीकेशन की सहायता से सेना और बीएसएफ से संबंधित स्थानों के फोटो और वीडियो भेजता था। इन फोटो और वीडियो के साथ अक्षांश और देशांतर की सटीक जानकारी भी साझा होती थी।

प्रतिरोध का प्रतीक

भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा हैः डॉ. मोहन भागवत

• उदयपुर, एजेंसी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत का इतिहास गुलामी का नहीं, बल्कि आक्रांताओं के विरुद्ध सतत संघर्ष का रहा है। हल्दीघाटी का युद्ध केवल महाराणा प्रताप या उनकी सेना का युद्ध नहीं था, बल्कि पूरे समाज के सामूहिक प्रतिरोध का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्यों और स्वयं मुगल इतिहासकारों के विवरणों से स्पष्ट होता है कि हल्दीघाटी में विजय महाराणा प्रताप की ही हुई थी।

भागवत बुधवार को उदयपुर के गांधी मैदान में महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती तथा हल्दीघाटी विजय के 450 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'राष्ट्र चेतना संकल्प सभा' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देशभर में महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र अपने उन महापुरुषों को स्मरण करता है जिन्होंने स्वाभिमान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध में सेना, संसाधन और शस्त्रों के स्तर पर मुगल साम्राज्य का पलड़ा भारी था। महाराणा प्रताप के पास सीमित साधन थे, धन कम था और सैन्य शक्ति भी अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी उन्होंने संघर्ष का मार्ग नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि भारत का समाज कभी भी पराधीनता को सहज रूप से स्वीकार करने वाला नहीं रहा। जब भी किसी आक्रांता ने इस भूमि पर अधिकार करने का प्रयास किया, उसी क्षण से उसके प्रतिरोध की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई।

सरसंघचालक ने कहा कि इतिहास के अनेक प्रसंगों को समय-समय पर एक विशेष नैरेटिव के तहत प्रस्तुत किया गया। हल्दीघाटी के युद्ध के संदर्भ में भी ऐसी ही स्थिति देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि मुगल इतिहासकारों के विवरणों में स्वयं

उल्लेख मिलता है कि युद्ध के दौरान मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा था। यदि युद्ध के विभिन्न चरणों में मुगल सेना को लगातार कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और युद्ध के बाद भी वह भय और असुरक्षा की स्थिति में रही, तो यह विचार करना आवश्यक है कि वास्तविक विजय किसकी थी। भागवत ने युद्ध के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले आक्रमण में मुगल सेना को पीछे हटना पड़ा। दूसरे चरण में प्रताप की सेना के पराक्रम का ऐसा प्रभाव दिखाई दिया कि शत्रु पक्ष के प्रमुख योद्धाओं को भारी क्षति उठानी पड़ी। उन्होंने चेतक के अद्वितीय साहस और युद्ध कौशल का भी उल्लेख किया। तीसरे चरण के युद्ध के बाद मुगल सेना की स्थिति ऐसी थी कि वह खुले रूप से आगे बढ़ने का साहस नहीं कर सकी और स्वयं को सुरक्षित रखने के प्रयासों में लगी रही। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास उन लोगों का इतिहास नहीं है जो पराजित होकर बैठ गए, बल्कि उन लोगों का इतिहास है जिन्होंने निरंतर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम से उठी वह आक्रामक लहर, जिसने स्पेन से लेकर साइबेरिया तक अपना प्रभाव स्थापित किया था, भारत में भी प्रवेश करना चाहती थी, किंतु बप्पा रावल, ललितादित्य और अन्य वीरों के कारण उसे यहां अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी।

भागवत ने कहा कि भारतीय समाज ने अनेक कठिनाइयों और संघर्षों का सामना किया, किंतु अपनी संस्कृति और धर्म को सुरक्षित रखा। उन्होंने कहा कि समाज में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब राष्ट्र और संस्कृति पर संकट आता है तो भारत का समाज एकजुट होकर खड़ा हो जाता है। हालांकि केवल संकट के समय ही नहीं, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी समाज को संगठित और एकताबद्ध रहने की आवश्यकता है। महाराणा प्रताप का जीवन भी इसी संदेश का प्रतीक है। उन्होंने ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार विजेताओं या सत्ता के निकट रहने वाले लोगों द्वारा इतिहास को अपने दृष्टिकोण से लिखा गया।

संक्षिप्त खबरें

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया नमन, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती (ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया) के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को महाराणा प्रताप जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप महान योद्धा, परम स्वाभिमानी और स्वतंत्रता प्रेमी थे। सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलकर उन्होंने मातृभूमि की रक्षा तथा आत्मगौरव के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनका जीवन साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श और संघर्ष आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने तथा संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात करते हुए देश सेवा का संकल्प लें, जिससे देश और प्रदेश उन्नति के नए शिखर छू सकें।

उपमुख्यमंत्री ने प्रताप जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि, आदर्शों को किया नमन

जयपुर, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के पावन अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस, अटूट स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महानायक हैं, जिनका जीवन संघर्ष, त्याग और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सत्य, सम्मान और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श आज भी युवाओं सहित समूचे समाज को देशभक्ति, साहस और आत्मसम्मान का संदेश देते हैं। उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से महाराणा प्रताप के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदनलाल राठौड़ ने किए श्री सांवलिया सेठ के दर्शन

चित्तौड़गढ़, एजेंसी। राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदनलाल राठौड़ मंगलवार रात को मेवाड़ के सुप्रसिद्ध कृष्णधाम सांवलियाजी पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान श्री सांवलिया सेठ की रात्रिकालीन आरती के दर्शन कर देश व प्रदेश में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस दौरान बड़ी भाजपा कार्यकर्ताओं के जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। रात्रिकालीन आरती के दौरान चंवर सेवा भी कर प्रदेश में सुख समृद्धि और शांति के लिए कामना की। भाजपा जिलाध्यक्ष रतन गाडरी ने बताया कि मंगलवार रात को प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ के सांवलियाजी पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। वे उदयपुर से सांवलियाजी पहुंचे थे। यहां निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, रघु शर्मा, श्रवण सिंह राव, मंदिर मंडल बोर्ड के अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव, पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, पूर्व सदस्य भैरूलाल सोनी बोम्बे, अर्जनदास वैष्णव, रमेश गुर्जर, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश लढ्ढा, कंवरलाल गुर्जर, सूर्यप्रताप सिंह गुढ़ा, रवि शर्मा, बोर्ड सदस्य पवन तिवारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर में उनकी अगवानी की और गर्मजोशी से स्वागत किया। मंदिर पहुंचने पर परंपरा के अनुसार ओसरा पुजारी ने प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ का स्वागत-सत्कार किया। पुजारी ने उन्हें भगवान श्री सांवलिया सेठ का चरणामृत और तुलसी पत्र प्रदान किया। उपरना पहना कर सम्मानित किया गया तथा ठाकुरजी का प्रसाद और छवि भेंट स्वरूप दी गई। राठौड़ ने भंडार के सामने से ठाकुरजी के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने ठाकुरजी से प्रार्थना की कि राजस्थान सहित पूरे देश में अमन-चैन कायम रहे और प्रदेश विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे। मंदिर दर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर परिसर में पुलिस बल तैनात रहा।

धन्वंतरि उपवन में हुआ सामूहिक योगाभ्यास: पांच सौ से अधिक प्रतिभागियों ने किया योग

जयपुर, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) जयपुर द्वारा बुधवार सुबह धन्वंतरि उपवन जग्गा की बावड़ी स्थित संस्थान परिसर में भव्य सामूहिक योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को योग के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य, निरोगी जीवन एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। बुधवार प्रातः 5.30 बजे आयोजित इस विशेष योग सत्र में संस्थान के चिकित्सकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों सहित 500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। हरियाली और प्राकृतिक वातावरण से आच्छादित धन्वंतरि उपवन योग साधना का केंद्र बन गया, जहां प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, अनुशासन और सामूहिक चेतना का संदेश दिया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा का अमूल्य उपहार है, जो व्यक्ति के जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सकारात्मक बनाता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वातावरण में योगाभ्यास करने से मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित होता है तथा व्यक्ति दीर्घकाल तक स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है। नियमित योगाभ्यास मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक मजबूती प्रदान करता है। योग एवं स्वस्थवृत विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दुर्गावती ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा विभिन्न जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया।

संपादकीय

राम मंदिर में दानपात्र में गड़बड़ी हुई है तो उस पर विश्वास करें आपस में ना लड़े

राम मंदिर अयोध्या में 500 सालों के बाद बना और समाज बादी पार्टी के नेता श्री अखिलेश यादव ने दान सम्पति पर करोड़ो के गबनहोने का आरोप लगा लिया है। इस मामले में अब गजब का माहौल देखने को मिल रहा है इसमें अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, उनके पास से लाखों रुपये की बरामदगी भी कई है। मामला बढ़ने के बाद जांच तेज कर दी गई इस मामले पर चिंता जताने वाले नेताओं में अब ,सीनियर बीजेपी नेता और राम जन्मभूमि आंदोलन के अनुभवी नेता विनय कटियार भी शामिल हो गए हैं।रविवार को अपने घर पर पत्रकारों से बात करते हुए कटियार ने कहा कि अगर ट्रस्टी खुद ही गड़बड़ी में शामिल पाए जाते हैं, तो इससे मंदिर प्रोजेक्ट का मकसद ही क्या ।कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में एसआईटी गठित की गई है और अब दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा इसमें मंदिर के ट्रस्टी चंपत को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है बाद में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ। अनिल मिश्रा और परिसर व्यवस्थापक गोपाल राव हैं, जिन पर मंदिर व्यवस्था की जिम्मेदारी होने की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार 7 जून को चढ़ावे की गिनती के दौरान एक कर्मचारी सीसीटीवी में नोटों की गड्डी छिपाते हुए दिखाई दिया ऐ सब का ध्यान भगवान राम पर नहीं बल्कि उस धन पर टीका है जो किसी ने दान किया होगा अब आप इस मुद्दे पर आपस में ही लड़ेंगे तो दूसरे लोग आपके धर्म का मज़ाक उड़ा देंगे इससे राम के नाम पर एक विश्वास टूटेगा भगवान हैं राम अगर किसी ने करोड़ का दान दिया तो खुश होंगे ऐसा बिलकुल नहीं है वो सेवा के प्रति अपने को मर्यादा में रहने की शक्ति देते हैं आखिर क्यों दिया भगवान राम जो दुनिया को चला रहें हैं वो पैसे के मोहताज होंगे इसी पैसे से गरीबों को बाँट देते तो सार्थक होता खैर जहाँ तक पैसा चुराने की बात है वो अंत में पैसा लेकर कहाँ जाएगा सब यहीं रहने वाला है इसलिए इस पर विवाद से बचना चाहिए आप समझदार बनो दूसरे के दुःख में काम आओ और इंसान बनने की कोशिश करे जो भगवान राम का सच्चा भक्त है वो यहाँ नहीं कहीं एकांत में उनका ध्यान कर रहा होगा और भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या आए थे तो श्रीराम ने हनुमानजी की सहायता से लंका के राजा रावण को हराया था। और युद्ध जीतने के बाद वह सीता माता, लक्ष्मण जी, हनुमानजी और अपने दूसरे साथियों के साथ अयोध्या पहुँचे। जब वह अयोध्या के राजा बने तब सीता माता ने उनसे निवेदन किया कि जिन्होंने भी युद्ध जीतने में उनकी सहायता की है वह उन्हें धन्यवाद के रूप में कुछ भेंट देना चाहती हैं। सीता माता ने सबको कुछ न कुछ अनमोल भेंट दी। अब हनुमानजी की बारी थी। श्रीराम मुस्कुराते हुए बोले, "आप भला हनुमान को क्या भेंट देंगी? इनकी निस्वार्थ सेवा और भक्ति का तो कोई मोल हो ही नहीं सकता।" माता सीता ने फिर भी अपनी एक मोतियों की माला, हनुमानजी को भेंट में दी। हुनमानजी उस माला के एक-एक मोती को दाँतो से तोड़कर देखा और ज़मीन पर फ़ेंक दिया। सीता माता ने हनुमानजी से पूछा, "आपने ऐसा क्यों किया हनुमान? क्या आपको यह माला पसंद नहीं आई?" "ऐसी बात नहीं है माता, पर यह भेंट मेरे किसी काम की नहीं, क्योंकि इसमें मुझे मेरे प्रभु राम नहीं दिखे। अगर मोतियों में राम नहीं तो इनका मोल मेरे लिए मिट्टी के समान है।" "तो क्या आपके अंदर राम हैं?" सीता माता ने पूछा। सीता माता के ऐसा कहते ही हनुमानजी ने अपना सीना चीर कर सबको अपने हृदय में बसे राम-सीता की छवि के दर्शन कराए। जैसे हनुमानजी ने श्रीराम का कार्य किसी उपहार के लालच में नहीं किया बल्कि इसलिए किया क्योंकि श्रीराम की सेवा करके उन्हें आनंद मिलता था। वैसे ही क़ोई किसी चीज के लालच में ना पड़े भगवान राम का सच्चा भक्त ब्रह्मचारी होता है क्योंकि उसका प्रेम राम से है ऐ आपके सामने की कई घटना जो रामरहीम से लेकर आशाराम बापूजी तक है जो ब्रह्मचारी बनने का पाठ पढ़ाते थे आज उस नियम को तोड़ कर काम के वश में आ गए और अब जेल में अदालत के फैसला से गए हैं अतः पता नहीं ऐसे कितने बाबा होंगे जो धर्म की आड़ लेकर झूठ बोलकर आपको कुछ बताता होगा और वो भी कहीं उसी जाल में तो नहीं है? भगवान राम से सबसे बड़ी शिक्षा लेने की यह जरुरी है सच बोलो झूठ का सहारा नहीं नहीं तो एक झूठ से बचने के लिए हजार झुठ बोलना पड़ेगा और आपकी नींद ख़राब बौगी सेहत पर बुरा असर पड़ेगा राम सेवा सत्य और प्रेम में विश्वास रखते हैं एक तरफ आपके पास भौतिक बस्तु का जाल पड़ेगा फिर आप फंस इसलिए जातो हो कि ऐ सामर्थ नहीं है कि उसी के लिए जीना और उसी के लिए मरना और जब तक काम के बंधन से मुक्त नहीं होंगे तब तक उसके लिए आप गलत काम भी कर देते हैं आपको यह अहसास नहीं होता है कि जिस माता पिता ने आपको पालन पोषण किया हैं उनको बुढ़ापे में अकेले इसलिए छोड़ देते हो कि मेरी पत्नी प्यारी है और मैं उसके साथ काम में वशीभत हो ताकि उसके साथ मजे कर सकूँ इसलिए आप भगवान राम के लाख पूजा करनेपर भी उसका प्रकाश नहीं दीखता जब दिखेगा तो फिर उसमें विलीन होने की इक्छा होगी क्योंकि वो इतना तेज है कि बाली को मोक्ष मिला और गोस्वामी तुलसीदास जी ने जब स्त्री का मोह त्याग दिया तब वो राम चरित्र मानस लिखा और दुनिया को हिंदी में भगवान राम का उपदेश सबको इसलिए बताया क्योंकि यह आपको संकट से बचाता है आपको गलत और सही का फर्क मालूम होता है

एक बार मेरे पिताजी का हाथ फिसलने से टूट गया मैं मुंबई से पटना तुरंत पहुँचा वहाँ जब पिताजी को देखा तो दर्द से कराह रहें थे किसी ने बहुत ही भरोसा से बोला कि यह डॉक्टर बहुत बढ़िया है पिताजी ने विश्वास किया और जब डॉक्टर के पास गए तो वहाँ मेरी माँ भी थी माँ का एक बेटा अपनी माँ का टुटा हुआ हाथ के इलाज के लिए आया था वो बहुत कराह रही थी बाद में उसके लड़के ने बताया कि मेरा भाई ही औरत की बात में आकर माँ को मार कर इसका हाथ तोड़ दिया है मुझे बहुत दुःख हुआ कि आखिर माँ ने ऐसा क्या किया जो जान लेने पर उतारु है ऐ उसका एक नालायक बच्चा ही होगा ऐसे आजकल एक नहीं कई मामले हैं जो कोरोना काल में आपने देखा होगा देखो पहला भगवान ऊपर वाला है और अगर क़ोई दूसरा भगवान है तो आपके माता पिताजी ही हैं कुछ भी बोले उनकी बात पर गुस्सा नहीं होना नहीं तो दुनिया से जाने के बाद आपको बहुत तकलीफ होगा कौन सही हैं कौन गलत इसका पता भगवान राम के ध्यान से ही मालूम होगा और भगवान राम के ध्यान के लिए में आपको ब्रह्मवर्चस के नियम को पालन करना होगा ब्रह्मवर्चस का शाब्दिक अर्थ ब्रह्म का तेज या दिव्य आभा है। जिसने अपने दिमाग़ से काम वासना को निकाल कर फेंक दिया समझ लेना वह ब्रह्मवर्चस का नियम पालन कर सकता है जो अध्यात्म में, यह वह उत्कृष्ट आत्मबल, सात्विक ऊर्जा और ज्ञान-तेज है जो एक साधक को कठोर तपस्या और शुद्ध जीवनशैली से प्राप्त होता है। भगवान राम अब ब्रह्मचारी वह व्यक्ति है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर पवित्रता और संयम का पालन करता है ब्रह्मचर्य केवल विवाह न करना या वासना से दूर रहना नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जिसे भगवान राम ने अपनाया था,एक सच्चे ब्रह्मचारी के मन में वासना या कामुक विचार नहीं आते हैं। वह वासना पर नियंत्रण रखता है सभी इंद्रियों (आंख, कान, नाक, जीभ, त्वचा) को वश में रखता है ब्रह्मचारी अपने वीर्य या प्राण-ऊर्जा की रक्षा करता है, जिससे उसका शरीर और मस्तिष्क बेहद ऊर्जावान रहता है सात्विक आहारः वह अत्यधिक मसालेदार, तला-भुना, और उत्तेजक भोजन से बचता है। उसका आहार सात्विक और नियंत्रित होता है वह दिखावे और अत्यधिक शारीरिक साज-सज्जा से दूर रहता है, क्योंकि सादा जीवन उसका व्यक्तित्व स्वयं ही आकर्षण का केंद्र होता है ब्रह्मचर्य के पालन से चेहरे पर एक अलग चमक (ओज) होती है और बुद्धि अत्यंत प्रखर व स्मरण शक्ति मजबूत हो जाती है।

(लेखक- संजय गोस्वामी)

गांधीवादियों से दूर होता दिल्ली का गांधी शांति प्रतिष्ठान

• **कुमार कृष्णन**

बाहर से प्रतिष्ठान का भवन थोड़े बदलाव के साथ नजर आता है।अंदरुनी व्यवस्था, बदलाव देख कर चौंक जाएंगे।अध्यक्ष, मंत्री कार्यालय वाला क्षेत्र देख कर दांतों तले उंगली दबाना पड़ेगा।सभागार का किराया सुनकर पांवों तले की जमीन खिसकती नजर आएगी।सभी कमरों को वातानुकूलित कर दिया गया है। किराया बढ़ाना ही पड़ेगा।आम आदमी को दूर रखने का इंतजाम किया गया है। वैचारिक स्पष्टता, पारदर्शिता, आत्मबल बाहर। कथनी-करनी का अंतर साफ-साफ दिखाई देता है। सत्य, अहिंसा, करुणा, सादगी, सत्याग्रह, निडरता, निष्पक्षता, पारदर्शिता धराशाई। ये कहना है गांधीवादी रमेश चंद शर्मा का। जी हां बात हो रही है। नई दिल्ली स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान की, जो आईटीओ के समीप पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित है।

महात्मा गांधी के विचारों और मूल्यों को संरक्षित व प्रसारित करने के मकसद से 31 जुलाई 1958 को गांधी शांति प्रतिष्ठान (दिल्ली) की स्थापना की गई थी। यह संस्था अहिंसा, शांति, और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तर पर कार्य करती है।इस संस्थान के प्रमुख संस्थापकों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू और आर. आर. दिवाकर शामिल थे।इसके अलावा, लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भी इसके गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, और गांधीवादी नेता आर. आर. दिवाकर (जो इसके पहले अध्यक्ष बने) इसके मुख्य संस्थापकों में शामिल थे। इसके शुरुआती संरक्षकों और सदस्यों में जाकिर हुसैन, सी. राजगोपालाचारी, आचार्य जे. बी. कृपलानी, सुचेता कृपलानी और मोरारजी देसाई जैसे दिग्गज शामिल थे। सुप्रसिद्ध गांधीवादी आर. आर. दिवाकर इसके संस्थापक अध्यक्ष और जी. रामचंद्रन, संस्थापक सचिव हुए। इसके बाद अनेक विभूतियों ने अध्यक्ष और सचिव के पद को सुशोभित किया।

प्रतिष्ठान का अतीत उपलब्धियों वाला रहा है।1962 में इसने परमाणु हथियारों के निर्माण, परीक्षण और भंडारण को समाप्त करने पर तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया और 1963 की आंशिक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के लिए समर्थन जुटाने हेतु कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि-मंडल भेजे। इसने बांग्लादेश की मुक्ति के लिए जन समर्थन जुटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्तर पर, इसने 1970 के दशक के आरंभ में चंबल घाटी में डाकुओं के आत्मसमर्पण, 1970 के दशक के उत्तरार्ध में राष्ट्रीय वयस्क शिक्षा कार्यक्रमों के प्रचार और 1970 के दशक के आरंभ में अकाल विरोधी युवा अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह संस्था र संस्था गांधीवादी संगठनों से जुड़े विद्वानों और कार्यकर्ताओं के लिए आवास और शाकाहारी भोजन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध कराने के लिए एक छात्रावास भी संचालित करती है। कार्यालय भवन में एक सेमिनार हॉल और एक सुसज्जित पुस्तकालय है। सेमिनार हॉल कम मूल्य में गांधी मूल्यों, लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाले संस्थाओं को उपलब्ध हो जाया जाता था।इस कारण कम वजट वाले संस्थाओं को आयोजन करने में सहूलियत होती थी। अब स्थिति का काफी बदल गयी है।

हालिया घटनाक्रमों के और बदलाव गांधी शांति प्रतिष्ठान नई दिल्ली के संबंध में व्यापक जन-संवाद हेतु एक सार्वजनिक अपील जाने माने गांधीवादी राजगोपाल पी. वी., गांधीवादी अध्ययन के अग्रणी विद्वान और अहमदाबाद स्थित गुजरात विद्यापीठ के पूर्व कुलपति सुदर्शन अयंगर,भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बाद लगातार तीन बार सचिव बनने वाले पहले व्यक्ति के रुप में जाने जानेवाले सुरेंद्र कुमार और निशांत अखिलेश ने की है। इनके मुताबिक गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, पिछले सत्तर वर्षों से अधिक समय से गांधीवादी चिंतन के अध्ययन, प्रसार और संवर्धन में संलग्न रहा है। इसके पर्यावरण प्रकोष्ठ से जुड़े दिवंगत अनुपम मिश्र देश और विदेश में व्यापक रूप से जाने जाते रहे हैं।

उनके संपादन में हिंदी पत्रिका 'गांधी मार्ग' ने विशेष प्रतिष्ठा और व्यापक पहचान प्राप्त की किन्तु हाल के कुछ घटनाक्रमों और उनसे संबंधित पत्राचार के आलोक में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि इस विषय को व्यापक समाज के संज्ञान में लाया जाए। इन लोगों स्पष्ट रूप किया हैं उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाना या मतभेदों को बढ़ाना नहीं है। एकमात्र उद्देश्य इन निर्णयों, प्रक्रियाओं और उनके प्रभावों को संतुलित एवं पारदर्शी ढंग से समझना तथा संवाद के माध्यम से एक रचनात्मक रास्ता तलाशना है। हाल के समय में संस्था परिसर के नवीनीकरण, उससे जुड़ी वित्तीय व्यवस्थाओं तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर विभिन्न दृष्टिकोण सामने आए हैं। एक पक्ष का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में संस्था की स्थिरता और निरंतरता के लिए नए और व्यावहारिक उपाय अपनाना आवश्यक है। वहीं दूसरी ओर यह चिंता व्यक्त की गई है कि ऐसे कदम संस्था के मूल गांधीवादी मूल्यों — पारदर्शिता, सहभागिता और आत्मनिर्भरता — से विचलन का कारण न बनें। उन लोगों पहला प्रयास अध्यक्ष और संस्था के संचालन से जुड़े जिम्मेदार व्यक्तियों से सीधे संवाद स्थापित करने का था। यद्यपि ऐसी बातचीत हुई, परंतु ऐसा प्रतीत हुआ कि उसे विषय की समाप्ति के रूप में लिया गया। जबकि इन लोगों का उद्देश्य यह था कि यदि सभी कार्य प्रक्रियात्मक रूप से सही भी हों, तब भी उन्हें व्यापक सार्वजनिक समझ के लिए पारदर्शी रूप से सामने रखा जाए।

इन लोगों ने गांधी शांति प्रतिष्ठान की प्रबंधन समिति से निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर जानने का प्रयास किया:-

1. भवन के नवीनीकरण में निवेश करने वाला व्यक्ति/संस्था कौन है और उसकी पृष्ठभूमि क्या है?

2. नवीनीकरण का कुल बजट कितना है और धन का स्रोत क्या है?

3. निवेश करने वाले व्यक्ति/कंपनी और गांधी शांति प्रतिष्ठान के बीच क्या शर्तें तय हुई हैं?

4. क्या इस नवीनीकरण परियोजना के लिए गांधी शांति प्रतिष्ठान ने संबंधित सरकारी विभागों से अनुमति प्राप्त की है?

5. गांधी शांति प्रतिष्ठान का छात्रावास मूलतः गांधीवादी कार्यकर्ताओं के लिए बनाया गया था। यदि निवेशक कमरे/बिस्तरों का किराया बढ़ाता है, तो क्या गांधीवादी कार्यकर्ता इसका लाभ उठा सकेंगे?

6. अध्यक्ष एवं सचिव से स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया कि निजी पक्ष के साथ हुए मौखिक या लिखित समझौते तथा उनके द्वारा गांधी शांति प्रतिष्ठान के बैंक खाते में जमा कराई गई राशि का सार्वजनिक खुलासा किया जाए।

7. प्रबंधन समिति से यह भी स्पष्ट रूप से पूछा गया कि जब छात्रावास के कमरों का किराया ₹900 प्रति दिन से बढ़ाकर ₹3000 प्रति दिन कर दिया गया है, जिससे वर्षों से दिल्ली आने वाले गांधीवादी कार्यकर्ताओं के लिए यह सुरक्षित केंद्र लगभग बंद हो गया है, तो इसका उद्देश्य क्या है?

8. क्या कमरों के किराए में इस प्रकार की अत्यधिक वृद्धि, जिसके कारण गांधीवादी कार्यकर्ताओं का प्रवेश व्यवहारतः असंभव हो गया है, संस्था परिसर के व्यावसायिक उपयोग की श्रेणी में नहीं आती?

सादा जीवन उच्च विचार, भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है

• **किशन सनमुखदास भावनानी**

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख़ योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व ख़जाना धारे मानवीय योनिं नें सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है। सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया है,इतना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मृत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फ़ूककर जन्म देना रह गया है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा।

धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चोबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती है तबतक सब कुछ निकल चुका होता है। साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुःख, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही,जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है,और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में दयालुता, सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विक्कार जैसे द्वेष,अभिमान अहम, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार के अर्थ को समझने की करें तो,सादा जीवन का अर्थहै अपनी सीमित आवश्यकताओं के अनुसार, न कि अपने असीमित लालच के अनुसार। सारा तनाव और तनाव इस सूत्र का पालन न करने का परिणाम है। आध्यात्मिक जीवन सादा जीवन उच्च विचार के अलावा और कुछ नहीं है। भगवत गीता कहती है कि सादा जीवन और उच्च विचार ही आर्थिक समस्याओं का समाधान है।जो व्यक्ति सादा जीवन जीने में विश्वास रखता है, वह न तो अपने लिए और न ही दूसरों के लिए समस्याएँ खड़ी करता है। जो व्यक्ति उच्च विचारों में लीन रहता है, वह वास्तव में निस्वार्थ व्यक्ति बन जाता है।

साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े -बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति ज़रूरी है और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है। यूं भी कोई अस्त-व्यस्त, भ्रमित, दुविधाग्रस्त और दबाव में नहीं रहना चाहता। भीड़ चाहे लोगों की हो या वस्तुओं की, इच्छाओं की हो या अपेक्षाओं की, व्यक्ति की एकाग्रता को भंग करती है और उसे जीवन के अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति उदासीन बनाती है। भीड़ में खुद को गुम होने से बचाने का प्रयास ही सहज-सरल जीवन की कुंजी है। साथियों बात अगर हम सादगी की करें तो, सादगी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता आती है।

बिखरती ख़्वाहिशें और हमारा कर्तव्य

• **डॉ योगेन्द्र**

अभिजीत दीपके प्लांटेड हैं या फिर युवाओं के आक्रोश को शब्द देने आये हैं, मालूम नहीं, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने या जुलूस निकालने का पूरा हक है। अभिजीत दीपके पर थप्पड़ चलाने वाला खुद को राष्ट्रवादी बता रहा था। उसकी प्रोफ़ाइल जब खँगाला गया तो वह आरएसएस से जुड़ा हुआ है। आरएसएस के राष्ट्रवाद मुसलमान और पाकिस्तान से शुरू होता है और उस पर ख़त्म हो जाता है। उनके अंदर खाने में जातिवाद की खिचड़ी पकती रहती है। यही वजह है कि उन्होंने कभी जातिवाद के ख़िलाफ़ संघर्ष नहीं किया। हिन्दू एकता की बात की, लेकिन यह एकता मुस्लिमों के खिलाफ रहेगी। अंदर ब्राह्मणों की सर्वोच्चता बनी रहेगी और दलितों की स्थिति दोयम दर्जे की रहेगी। उसमें इंसान को केंद्र में रख कर कभी संघर्ष नहीं किया। कहने को वह स्वदेशी है, लेकिन अपने संगठन को मुसोलिनी के संगठन के तर्ज पर बनाया।

बाक़ायदा हिंदू महासभा के नेता और आरएसएस के मार्ग दर्शक डॉ बी एस मुंजे ने 1931 में मुसोलिनी से मुलाक़ात की थी। यहां तक कि गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ' वी आर आवर नेशनहुड ' में जर्मनी और इटली के फासीवादी विचारों का समर्थन किया है। गांधी जी की हत्या गोडसे ने की। उसका संबंध आरएसएस से था, लेकिन इस संगठन ने कभी स्वीकार नहीं किया। आज एक फ़र्ज़ी राष्ट्रवादी अभिजीत दीपके पर थप्पड़ मारता है, उसका संबंध भी आरएसएस से है, लेकिन आरएसएस कभी स्वीकार नहीं करेगा। यह इसलिए संभव है कि लिखित रूप से आरएसएस का कोई सदस्य नहीं है।

मोहन भागवत भी शायद ही आरएसएस के लिखित रूप से सदस्य होंगे। उसका कोई सदस्यता फ़ार्म नहीं है। लाठी पैना लेकर हज़ारों की संख्या में वे जमा होते हैं, मार्च करते हैं, लेकिन वे लिखित रूप से आरएसएस के नहीं हैं, इसलिए कोई जब आपराधिक घटना करता है, उससे पीछा छुड़ाना आसान है। यह धूर्तई कोई ईमानदार संगठन नहीं कर सकता। इसकी बुनियाद में ही बेईमानी और असत्य है, तब भला वह ईमानदार कार्यकर्ता कैसे पैदा करेगा? जिसका मक़सद झूठ हो, वह राष्ट्रवादी कैसे हो सकता है? प्रधानमंत्री पीएम केयर फ़ंड को यों ही छुपाए हुए नहीं हैं। उनका मातृ संगठन अरबों का खेल करता है, लेकिन कोई खाता-बही नहीं है। वह बीजेपी की सरकार चलाता है। सरकारी पैसे से बनी जेड सुरक्षा श्रेणी का उपभोग करता है, लेकिन आरएसएस सरकार को कोई हिसाब किताब नहीं देगा, क्योंकि वह व्यक्तियों का समूह है। शांतिपूर्ण आंदोलन करने का हक सभी को है- बीजेपी, कांग्रेस, सपा, अन्य कोई संगठन या व्यक्ति- सभी को। अभिजीत दीपके के पीछे लोग षड्यंत्र थ्योरी देखनेवाले लोगों की संख्या कम नहीं है, लेकिन उसे शांतिपूर्ण आंदोलन करने से कोई नहीं रोक सकता। दुर्भाग्य यही है जिस देश में अहिंसा के पुजारी को गोली मार कर लोग गौरवान्वित होते हैं।

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

• **लेखक- ललित गर्ग**

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति

से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।

तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की। आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं।

आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-"ज्ञान, मूल्य और चरित्र" है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है।

स्वामी दिल्ली वार्ता मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशक एवं मुद्रक शमीम अहमद द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636, कटरा दीना बेग लाल कुंआ, दिल्ली-110006 या अखबार प्रिंटर 1534 कासिम जान स्ट्रीट, बल्लीमारान, दिल्ली-110006 से मुद्रित व 12/596 वेस्ट गुरू अंगद नगर ईस्ट, दिल्ली-1100092 से प्रकाशित। संपादक - सलीम अहमद

बदायूं में भीषण हादसा: हाईवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टरों ने ई-रिक्शा को रौंदा, छह महिलाओं की मौत, तीन घायल

• बदायूं, एजेंसी।

बदायूं के उझानी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। दो ट्रैक्टर चालकों की लापरवाही से छह महिलाओं की मौत हो गई। तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद एक चालक अपना ट्रैक्टर और ट्रॉली दौड़ा ले गया, जबकि दूसरा चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने उसके ट्रैक्टर और ट्रॉली को कब्जे में लिया है। दोनों चालकों की तलाश शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही डीएम और एसएसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे की जानकारी ली।

फूलपुर क्षेत्र में हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक कछला और उझानी के बीच फूलपुर क्षेत्र में बुधवार दोपहर हाईवे पर दो ट्रैक्टर चालक रेस लगा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रैक्टरों ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार महिलाएं व अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग जुट गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां छह महिलाओं को मृत घोषित कर दिया गया। हादसे में रिक्शा चालक सनी (32 वर्ष), डाल सिंह (58 वर्ष) समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

विमृतकों के नाम

राजकुमारी (55 वर्ष) पत्नी डालसिंह निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला, गंगा श्री (32 वर्ष) पत्नी वीरपाल निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला, रेवती (80 वर्ष) पत्नी रामचंद्र निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला, प्रेम देवी (45 वर्ष) पत्नी रामचंद्र सिंह निवासी मोहल्ला मुरावन नगला, कछला, नारायणी देवी

(32 वर्ष) पत्नी जितेंद्र निवासी गुलाबगड़ी

भात मांगने जा रही थीं महिलाएं

कछला के मोहल्ला मुरावन नगला निवासी डाल सिंह के बेटे कुंवर पाल की शादी 29 जून को होनी है। परिवार की महिलाएं शादी की रस्म 'भात' मांगने के लिए पड़ोसी गठोना गांव जा रहे थे। इस घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। परिवार में कोहराम मच गया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव के लोग और रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए। चीख-पुकार मच गई।

एक चालक मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर भागा, दूसरा वाहन लेकर फरार

दोनों चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली से उझानी मंडी में मक्का उतारकर उझानी लौट रहे थे। इसमें एक आरोपी चालक मौके से ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भाग गया, जबकि दूसरा आरोपी चालक पकड़े जाने के डर से मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर भागा है। कुछ बाइक सवारों ने दोनों का पीछा कर उसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह हाथ नहीं आया।

प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि दोनों ट्रैक्टर निर्माणाधीन हाइवे पर एक ही लेन पर रेस लगा रहे थे। दोनों में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ मची थी, तभी फूलपुर के पास हाईवे पर सामने से ई-रिक्शा आ गया और ट्रैक्टरों ने एक दूसरे को ओवरटेक किया तो पहले एक ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को टक्कर मारी तो दूसरे ट्रैक्टर ने रौंद दिया। इससे बड़ा हादसा हुआ है।

दुनिया के सबसे बड़े पारद शिवलिंग की हुई प्राण प्रतिष्ठा: 5200 किलो है वजन, तैयार करने में लगे दस साल

• देहरादून, एजेंसी।

दुनिया के सबसे बड़े पारद शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा आज हरिद्वार के साईं शिव गंगा धाम में हुई। भव्य धार्मिक कार्यक्रम के दौरान 5210 किलोग्राम वजनी पारदेश्वर महादेव शिवलिंग की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्राण प्रतिष्ठा समारोह वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, दीदी मां साध्वी ऋतंभरा, राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा समेत कई दिग्गज मौजूद रहे। वीओ पंचायती निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरि महाराज ने बताया कि शिवलिंग को रघुनाथ देव महाराज ने भेंट किया है यह कार्य सिर्फ हरिद्वार के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। शिवलिंग की पूजा दर्शन करने से निसंदेह लोगों का उपकार होगा। लोगों की सभी इच्छाएं पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि संसार में धन तो बहुत लोगों के पास होता है परंतु कुछ लोग उस धन को धर्म के लिए खर्च करते हैं। यह पारद ध्यान लिंगम अपने अद्वितीय आकार और 5210 किलोग्राम वजन के कारण इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड और एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह शिवलिंग हरिद्वार दिल्ली नेशनल हाईवे पर बहादराबाद टोल प्लाजा के पास बने शिरडी साईं बाबा मंदिर में स्थापित किया गया।

UP: 2027 चुनाव से पहले अखिलेश की ब्राह्मण वोटरों पर नजर, अचानक से बुलाई अहम बैठक, जानिए सपा की नई रणनीति

• लखनऊ, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी ने 2027 यूपी चुनाव को देखते हुए सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। बुधवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में समाजवादी ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की अहम बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अगस्त माह में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों और संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में समाजवादी ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। वहीं, गोरखपुर जिले के कार्यकर्ताओं के साथ अलग से बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क अभियान को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में इन मुद्दों पर होगी चर्चा

सूत्रों के अनुसार, समाजवादी पार्टी ब्राह्मण समाज के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में पार्टी अगस्त में होने वाले कार्यक्रमों को बड़े स्तर पर आयोजित करने की तैयारी में है। बैठक में इन आयोजनों की रूपरेखा, जिम्मेदारियों के बंटवारे और अधिक से

अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

चर्चा के दौरान समाजवादी विचारधारा के प्रमुख नेता रहे जनेश्वर मिश्र की जयंती को भी भव्य तरीके से मनाने की योजना पर मंथन किया गया। पार्टी नेताओं का मानना है कि इस आयोजन के माध्यम से समाजवादी मूल्यों और सामाजिक समरसता का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकेगा। बैठक में उपस्थित नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद बढ़ाने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन और सामाजिक सहभागिता के बल पर समाजवादी पार्टी आगामी चुनावी मुकाबले में बेहतर स्थिति हासिल कर सकती है।

जो इंडिया गठबंधन था, वही रहेगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के सवाल पर कहा कि जो इंडिया गठबंधन था, वही इंडिया गठबंधन रहेगा और इसने अभी भाजपा को हराया है। उन्होंने मंगलवार को जारी बयान में कहा, ऐसे बहुत से लोग आएंगे, और बहुत सी रुकावटें आएंगी। ऐसे सभी लोग भाजपा को फायदा पहुंचाना चाहते हैं। उधर, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। भाजपा सरकार के बनाए हर कॉरिडोर और चौड़ीकरण की योजना के पीछे जो घपला-घोटाला है, उसके लिए एक बहुसदस्यीय न्यायिक जांच हो।

टीईटी पास करने के लिए शिक्षकों को मिली एक साल की अतिरिक्त मोहलत, 1.86 लाख शिक्षक अभी भी अपात्र

• लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत करीब 1.86 लाख शिक्षक अब तक शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) उत्तीर्ण नहीं कर सके हैं। ये शिक्षक प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इनमें लगभग 50 हजार शिक्षक ऐसे हैं, जो न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के अभाव में टीईटी परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते थे। ऐसे शिक्षकों को राहत देते हुए प्रदेश सरकार ने न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के मानकों में कुछ छूट देने का निर्णय लिया है। साथ ही उनके लिए एक विशेष टीईटी परीक्षा आयोजित करने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

पढ़िए सुप्रीम कोर्ट आदेश

सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश शासन के बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्यरत शिक्षकों के टीईटी/सीटीईटी संबंधी विवरण एकत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विशेष सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग अवदेश कुमार तिवारी ने इस संबंध में शिक्षा निदेशक (बेसिक) को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

जारी निर्देशों में कहा गया है कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने पुनर्विचार याचिका संख्या 53434/2025, उत्तर प्रदेश राज्य बनाम अंजुमन इशात-ए-तालीम ट्रस्ट में 29 मई 2026 को पारित आदेश के तहत इन-सर्विस शिक्षकों के लिए टीईटी योग्यता प्राप्त करने की समय-सीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी है। न्यायालय ने यह भी अपेक्षा व्यक्त की है कि राज्यों द्वारा टीईटी परीक्षा नियमित रूप से तथा अधिमानतः वर्ष में दो बार आयोजित कराई जाए, ताकि पात्र शिक्षकों को आवश्यक योग्यता प्राप्त करने का पर्याप्त अवसर मिल सके।

विशेष सचिव बेसिक शिक्षा अवधेश कुमार तिवारी द्वारा जारी शासनादेश में उल्लेख किया गया है कि उच्चतम न्यायालय ने अपने पूर्व आदेश में संशोधन करते हुए समय-सीमा में एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया है तथा इस संबंध में दायर सभी पुनर्विचार याचिकाओं का निस्तारण कर दिया है। इसके साथ ही शासन स्तर पर कार्यरत शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी परीक्षा आयोजित किए जाने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है।

इस उद्देश्य से शिक्षा निदेशक (बेसिक) को निर्देशित किया गया है कि उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित विद्यालयों में कार्यरत ऐसे शिक्षकों का जनपदवार विवरण एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराया जाए, जिन्होंने अभी तक टीईटी/सीटीईटी उत्तीर्ण नहीं किया है।

हाईटेक होगा दून एयरपोर्ट: सुरक्षित उड़ान के लिए बनेगी नई आधुनिक एटीसी बिल्डिंग, आसान होगी विमानों की आवाजाही

• जौलीग्रांट (देहरादून), एजेंसी।

देहरादून एयरपोर्ट पर विमानों के सुरक्षित संचालन को और बेहतर बनाने के लिए एक नई आधुनिक एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। वर्तमान बिल्डिंग के स्थान पर परिसर में ही अन्य उचित जगह बनने वाली इस नई बिल्डिंग में अत्याधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे। इससे एटीसी की कार्यक्षमता बढ़ेगी और अधिकारी एक साथ अधिक विमानों को नियंत्रित कर सकेंगे।

नई ऑटोमेशन और आधुनिक सर्विलांस सुविधाओं से एयर स्पेस और एयरपोर्ट रनवे की क्षमता बढ़ेगी। आधुनिक सुविधाओं वाला नया एटीसी तैयार होने पर उसी एयरस्पेस में ज्यादा उड़ानों को नियंत्रित किया जा सकेगा। देहरादून एयरपोर्ट के आसपास का अधिकांश एयरस्पेस वायु सेना नियंत्रित करती है।

वर्तमान में देहरादून एयरपोर्ट पर प्रतिदिन 22 से 24 उड़ानें आवाजाही करती हैं। प्राइवेट विमान और हेलिकॉप्टरों की संख्या अलग है। नए एटीसी बिल्डिंग तैयार होने और उसमें नए आधुनिक उपकरण लगने से एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ेगी, जिससे विमानों की आवाजाही और बेहतर तरीके से नियंत्रित की जा सकेगी।

400 करोड़ की लागत से बनाया गया बड़ा टर्मिनल

70 के दशक में बिरला द्वारा बनाई गई छोटी सी हवाई पट्टी को विकसित कर 2006-07 में देहरादून एयरपोर्ट का रूप दिया गया था। उस वक्त एटीसी, मौसम विभाग आदि की नई बिल्डिंग बनाई गई थी। तब टर्मिनल एक छोटे से भवन में संचालित किया जाता था। 2010 में करीब 30 करोड़ की लागत से नया टर्मिनल बनाया गया था। पैसेंजर बढ़ने के बाद करीब 400 करोड़ की लागत से बड़ा टर्मिनल बनाया गया।

असंतोष

नोएडा में IAS संदीप भागिया के खिलाफ 60 अफसरों का 'विद्रोह', शासन से की शिकायत

• लखनऊ, एजेंसी।

राज्य कर विभाग के गौतमबुद्धनगर जोन में तैनात आईएएस अपर आयुक्त संदीप भागिया के खिलाफ अधिकारियों का असंतोष खुलकर सामने आ गया है। डिप्टी कमिश्नर वेद प्रकाश सिंह की पत्नी द्वारा मुख्यमंत्री को भेजे गए शिकायत पत्र के बाद अब नोएडा जोन के 60 से अधिक अधिकारियों ने भी प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव राज्य कर और राज्य कर आयुक्त को संयुक्त शिकायत भेजकर अपर आयुक्त के व्यवहार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अधिकारियों ने अपने पत्र में लिखकर आरोप लगाया है कि अपर आयुक्त का व्यवहार 'अत्यंत अपमानजनक, असंवेदनशील एवं अधिकारियों का मनोबल तोड़ने वाला' है। शिकायतकर्ता अधिकारियों का आरोप है कि समीक्षा बैठकों में अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से फटकारना और व्यक्तिगत टिप्पणियां करना सामान्य बात हो गई है, जिससे विभागीय वातावरण प्रभावित हो रहा है। अधिकारियों ने अपने शिकायत पत्र में कहा है कि 12 जून को आयोजित समीक्षा बैठक में डिप्टी कमिश्नर वेद प्रकाश सिंह को सभी अधिकारियों के सामने अपमानित किया गया। पत्र के अनुसार, अधिकारी ने पुलिस भर्ती परीक्षा में ड्यूटी के कारण कार्य प्रभावित होने की जानकारी दी थी, लेकिन इस पर अपर आयुक्त ने असामान्य रूप से आक्रामक प्रतिक्रिया दी। पत्र में कहा गया है कि घटना के बाद अधिकारी की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें चिकित्सकीय सहायता लेनी पड़ी। शिकायतकर्ताओं ने इसे केवल एक अधिकारी का मामला नहीं बल्कि पूरे अधिकारी वर्ग के सम्मान से जुड़ा मुद्दा बताया है। अधिकारियों ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि अपर आयुक्त के कार्यभार संभालने के बाद से जोन में भय और तनाव का वातावरण बना हुआ है। अधिकारियों का आरोप है कि अधीनस्थ अधिकारियों से संवाद के बजाय दबाव और सार्वजनिक फटकार की कार्यशैली अपनाई जा रही है, जिससे कार्यकुशलता प्रभावित हो रही है। शिकायत में कहा गया है कि अनेक अधिकारी मानसिक तनाव महसूस कर रहे हैं और कई बार अधिकारियों को सम्मानजनक कार्य वातावरण नहीं मिल पा रहा है।

तीनों अधिकारी संघों ने भी खोला मोर्चा

मामले को लेकर राज्य कर विभाग के तीनों अधिकारी संगठनों ने संयुक्त बैठक कर प्रस्ताव पारित किया है। संगठनों ने राज्य कर आयुक्त को भेजे पत्र में कहा है कि गौतमबुद्धनगर जोन के अधिकारियों में गहरा आक्रोश है और मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। संयुक्त मंच ने अपने प्रस्ताव में कहा कि किसी भी अधिकारी के साथ सार्वजनिक रूप से अपमानजनक व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता और इससे पूरे विभाग का मनोबल प्रभावित होता है।

जांच की मांग

60 से अधिक अधिकारियों के हस्ताक्षर वाले पत्र में शासन से मांग की गई है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोष तय किया जाए और अधिकारियों को सम्मानजनक एवं सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इस पूरे प्रकरण में अपर आयुक्त संदीप भागिया से संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया लेकिन उनका पक्ष नहीं मिल सका।

संक्षिप्त खबरें

19 जून को अयोध्या आएंगे सीएम योगी, अफसरों से ले सकते हैं जानकारी

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर की दान पेटिका में कथित अनियमितताओं के मामले को लेकर चल रही जांच के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 जून को अयोध्या दौरे पर पहुंचेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह रुदौली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अयोध्या आएंगे। राम मंदिर दान राशि में गबनः आखिर कहां गया चढ़ावे में चढ़ा करोड़ों का हार और चरण पादुका? आचार्य के दावे से नया मोड़ मुख्यमंत्री मणिराम दास छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास के जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लेंगे, वैक्स म्यूजियम का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा नगर निगम के जोनल कार्यालय का शुभारंभ और विकास कार्यों से संबंधित पुस्तक का विमोचन भी करेंगे। उनका जैन मंदिर के कार्यक्रम में शामिल होने का भी कार्यक्रम है।

कार्ड बांटकर बाइक से लौट रहे दो दोस्तों को डीसीएम ने रौंदा, दूल्हा गंभीर

कन्नौज, एजेंसी। छिबरामऊ शादी की तैयारियों के बीच खुशियों का माहौल उस समय मातम में बदल गया, जब अपनी शादी के निमंत्रण पत्र बांटकर लौट रहे युवक की बाइक को तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। हादसे में होने वाला दूल्हा और उसका मित्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया गया। जनपद मैनपुरी के थाना बेवर क्षेत्र के ग्राम नगला बहोरी निवासी 25 वर्षीय पुष्पराज पुत्र सुखदेव सिंह, जो पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर हैं, मंगलवार सुबह अपने मित्र 24 वर्षीय शिवम यादव पुत्र श्रीकृष्ण यादव निवासी ग्राम वीलपुर, पोस्ट कमलपुर महमूदिया, थाना बेवर के साथ बाइक से शादी के कार्ड बांटने निकले थे। परिजनों के अनुसार दोनों निमंत्रण पत्र वितरित कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। बताया गया कि बरुआ सबलपुर के सामने शेर-ए-पंजाब ढाबा के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची यूपी-112 पुलिस दोनों घायलों को सौ शैय्या अस्पताल लेकर आई, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर दोनों को मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डीसीएम की रफ्तार काफी तेज थी। बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर डीसीएम स्वयं भी पलट गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

बंद कमरे का राज...एग्जॉस्ट फैन पर 'लाल रस्सी' से लटका मिला काजल का शव

नैनीताल, एजेंसी। पंतनगर के नगला क्षेत्र में मंगलवार रात एक विवाहिता का शव घर के स्टोर रूम में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रुद्रपुर भेज दिया। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है, पुलिस फिलहाल इसे घरेलू कलह मानकर चल रही है। बिहार की मूल निवासी और वर्तमान में नगला में किराए पर रह रही काजल (27) पत्नी पवन कुमार अपने ससुराल में परिवार के साथ रहती थी। पवन पंतनगर विवि के सामान्य खंड में संविदा में जेई के पद पर कार्यरत हैं। मंगलवार शाम करीब सात से आठ बजे के बीच पवन और उसके पिता माता गए हुए थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घर पर ही मौजूद थे। कुछ देर बाद परिजनों ने काजल को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। तलाश करने पर स्टोर रूम का दरवाजा बंद मिला। दरवाजा खोलने पर काजल लाल रंग की रस्सी के सहारे एग्जॉस्ट फैन से लटकी हुई मिली। परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। स्टोर रूम की तलाशी के दौरान कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के लिए कमरे को सील कर दिया। काजल को तत्काल जिला अस्पताल रुद्रपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि काजल की शादी वर्ष 2020 में पवन कुमार से हुई थी और उसकी डेढ़ साल की एक बेटी भी है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि फांसी लगाने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

राज्य कर विभाग के 72 उपनलकर्मियों को झटका, सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

देहरादून, एजेंसी। राज्य कर विभाग में तैनात उपनलकर्मियों के नियमितीकरण और सेवा संबंधी लाभों के मामले में राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुज्ञा याचिका (एसएलपी) दायर करेगी। इसके लिए शासन ने तत्काल राज्य कर विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं। आठ जून को शासन स्तर पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में न्याय विभाग, वित्त, राज्य कर, कार्मिक और सैनिक कल्याण विभाग के अपर सचिव व वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में हाईकोर्ट के विभिन्न रिट याचिकाओं में पारित आदेशों के क्रियान्वयन और उपनल कर्मियों के प्रत्यावेदनों का निस्तारण करना था। विभाग के अंतर्गत कुल 37 रिट याचिकाओं के तहत 116 डेटा एंट्री ऑपरेटर आ रहे हैं, जिनमें से 105 कर्मियों ने सचिव के समक्ष अपने प्रत्यावेदन दिए थे। उन्होंने नियमितीकरण, कृत्रिम व्यवधान समाप्त करना, समान कार्य के लिए समान वेतन, 10 वर्ष से अधिक की नियमित सेवा के दृष्टिगत एरियर, मानदेय की मांग, सेवा से बाहर किए जाने की अवधि के वेतन का भुगतान मांग की थी।

लामबगड़ के पास बस के अचानक हुए ब्रेक फेल, 32 तीर्थयात्री थे सवार, मची चीख पुकार

देहरादून, एजेंसी। बदरीनाथ हाईवे पर आज एक यात्री बस हादसे का शिकार हो गई। बदरीनाथ धाम से वापस आ रही बस संख्या(CH02AA5747) जैसे ही लामबगड़ के पास पहुंची, अचानक उसके ब्रेक फेल हो गए। बस के चालक बहादुर सिंह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस को खाई की तरफ जाने से रोका और सड़क के किनारे पहाड़ी पत्थरों की तरफ मोड़ दिया, जिससे बस पत्थरों पर चढ़कर रुक गई। हादसे के वक्त बस में सवार 32 तीर्थ यात्री सवार थे जिसमें दो श्रदालु घायल हो गए। घटना की सूचना मिलती पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पांडुकेश्वर में भर्ती कराया गया, गोविंदगढ़ थाना प्रभारी रुक्म सिंह ने बताया कि घायलों में कमलेश(60) पत्नी चंदनमणि शर्मा, निवासी 85 राम विहार कर्दाना, बीरपुर, थाना बीरपुर, पंजाब और 14 वर्षीय ओमानस पुत्र रमण शर्मा, निवासी 1462 मारुति विहार, थाना एमजी रोड, चकरपुर, गुड़गांव, हरियाणा) शामिल हैं। डॉक्टरों ने दोनों घायलों का त्वरित प्राथमिक उपचार किया। दोनों घायलों की स्थिति पूरी तरह से खतरे से बाहर बताई गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची और मार्ग पर यातायात को सुचारू बनाए रखने के साथ-साथ अन्य यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजने की आवश्यक व्यवस्था की गई।

संक्षिप्त खबरें

रील का चस्का: स्कूल में घुसे किशोरों ने मचाया आतंक, पुलिस ने अभिभावकों को बुलाया

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी। फरीदकोट के जैतो में सरकारी स्कूल ऑफ ऐमिनेंस में सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए घुसे तीन किशोरों ने जमकर तोड़फोड़ कर दी। गर्मी की छुट्टियों के कारण बंद पड़े स्कूल में आरोपियों ने स्कूल की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। पूरी घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई जिसके आधार पर तीनों की पहचान कर ली गई है। जानकारी के अनुसार तीनों किशोर स्कूल की दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हुए। इनमें एक छात्र 10वीं पास कर 11वीं में दाखिला लेने वाला है जबकि दूसरा 9वीं कक्षा का छात्र है। तीसरा किशोर बाहरी बताया जा रहा है। आरोपियों ने सीसीटीवी कैमरे, खिड़कियों के शीशे, गमले, फर्नीचर और अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। स्कूल परिसर में खड़ी वैनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। स्कूल प्रशासन ने करीब आठ लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है। स्कूल प्रिंसिपल दर्शन सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों की पहचान कर ली गई है और मामले की सूचना पुलिस व शिक्षा विभाग को दे दी गई है। डीएसपी इकबाल सिंह संधू ने बताया कि तीनों आरोपी नाबालिग हैं। उनके अभिभावकों को बुलाया गया है और जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. हरीश चंद्र ने युवाओं से सोशल मीडिया के लिए ऐसे खतरनाक कदम न उठाने की अपील की है।

पंजाब में 19 जून से बदलेगा मौसम: चार दिन बारिश-आंधी का यलो अलर्ट

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी। पंजाब, हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन तथा 18 जून से सक्रिय हो रहे नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पंजाब में मौसम का मिजाज बदलने जा रहा है। मौसम विभाग ने 19 जून से अगले चार दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग चंडीगढ़ केंद्र के निदेशक सुरिंदर पाल के अनुसार इस प्री-मानसून गतिविधि के चलते तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। उन्होंने बताया कि फिलहाल यह प्री-मानसून बारिश है और मानसून के आगमन को लेकर अभी स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास ठहर गया है। वहीं पूर्वोत्तर राज्यों को कवर करने के बाद इसकी प्रगति बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी धीमी हो गई है। ऐसे में पंजाब में मानसून जून के अंतिम सप्ताह या जुलाई के पहले सप्ताह में पहुंच सकता है। पहले इसके 20 से 25 जून के बीच आने की संभावना जताई जा रही थी। मंगलवार को कुछ क्षेत्रों में हुई बारिश के कारण अधिकतम तापमान में 0.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और यह सामान्य से 2.2 डिग्री नीचे पहुंच गया। रूपनगर 37.2 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। बुधवार के लिए अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला, मोहाली, बठिंडा, मानसा समेत 16 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक तेज हवाओं और बारिश की संभावना जताई है।

ट्रोल पूछने के बहाने मुर्गा सप्लायर से लूट, कट्टे का भय दिखाकर छीने 20 हजार

करनाल, एजेंसी। करनाल के इंद्री थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक मुर्गा सप्लायर से नकदी लूट लिए जाने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने पहले पेट्रोल पूछने के बहाने सप्लायर को रोका और बातचीत में उलझा लिया। इसके बाद उसकी जेब से करीब 15 से 20 हजार रुपये निकाल लिए। जब पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपियों ने कट्टा होने की बात कहकर उसे धमका दिया। जान का खतरा महसूस होने पर पीड़ित अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से भाग निकला, जबकि दोनों बदमाश नकदी लेकर बाइक पर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में इंद्री निवासी शमशाद अली ने बताया कि वह ब्रायलर मुर्गा सप्लाई करने का काम करता है। रोजाना की तरह मंगलवार को भी वह आसपास के गांवों में मुर्गे की सप्लाई देने गया था। इसके बाद गुमथला गांव से दुकानदारों से भुगतान के रूप में करीब 15 से 20 हजार रुपये लेकर खुखनी गांव के रास्ते कलरी पुल पहुंचा। यहां से भी कुछ दुकानदारों के पास रुकने के बाद वह धनोरा गांव की ओर जाने लगा। जैसे ही वह कलरी पुल से आगे बढ़ा तभी बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उसे रोक लिया। दोनों ने पहले पेट्रोल के संबंध में पूछताछ शुरू की ताकि उसे किसी प्रकार का संदेह न हो। बातचीत के दौरान एक युवक ने अचानक उसकी टी-शर्ट की जेब में हाथ डालकर उसमें रखी नकदी निकाल ली। पीड़ित ने जब रुपये वापस देने की बात कही और विरोध किया तो आरोपियों ने अपने पास कट्टा होने की बात कहकर उसे जान से मारने की धमकी दी। हथियार के भय से घबराए शमशाद अली ने अपनी गाड़ी वहीं छोड़ दी और जान बचाने के लिए दौड़ते हुए वापस कलरी पुल की तरफ भाग गया। इसी बीच दोनों आरोपी बाइक स्टार्ट कर धनोरा गांव की दिशा में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद इंद्री थाना पुलिस ने मौके की जानकारी जुटाई।

जालंधर में ताबड़तोड़ फायरिंग: पुराने विवाद में युवक को मारी गोली

जालंधर, एजेंसी। जालंधर में बुधवार सुबह करीब 6 बजे शहीद बाबू लाभ सिंह नगर इलाके में ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार करीब 25 राउंड गोलियां चलाई गई हैं। अमरजीत नाम के युवक निहंग बाने में आए साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और फायरिंग कर दी। राहुल नाम के युवक के पेट में गोली लगी है, जिसे गंभीर हालत में सत्यम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक यह हमला कुछ समय पहले मकसूदां मंडी में सत्ता नामक युवक की हत्या के मामले से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि हमलावरों ने बदले की नीयत से राहुल, गुल्ली और उनके साथियों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने साथियों समेत मौके से फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

यूं मची बड़ी सियासी हलचलः जत्थेदारों के रुख से पंजाब में पंथक सियासत के बदल सकते हैं समीकरण

- चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी।

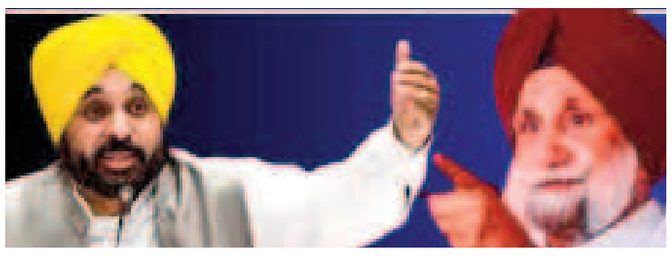

पंजाब की संस्कृति, सियासत और इतिहास में गहरा और निर्णायक महत्व रखने वाली सूबे की पंथक राजनीति के समीकरणों को इन दिनों जत्थेदारों का रुख प्रभावित कर रहा है।

उधर, अन्य दल भी इस विवाद में अपनी-अपनी सियासत साध रहे हैं। पंजाब में जो मौजूदा राजनीतिक हालात बने हुए हैं उससे जाहिर है कि विधानसभा चुनाव से पहले पंथक सियासत के समीकरण बदल सकते हैं।

इस वक्त सूबे के मौजूदा सीएम भगवंत सिंह मान और पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल दोनों ही कथित पंथक विवादों में घिरे हुए हैं। साल 2022 में आम आदमी पार्टी ने पंजाब के बड़े पंथक वोटबैंक को अपने पाले में करते हुए सत्ता हासिल की थी। पार्टी विभिन्न मुद्दों के साथ अपने पंथक सियासत का दायरा भी बढ़ाती गई मगर अब आए श्री अकाल तख्त के हुक्मनामे ने अचानक पार्टी में हलचल पैदा कर दी है।

पंथक वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है

राजनीतिक मामलों के जानकार हरबंस सिंह कहते हैं कि पंजाब में सिख आबादी बहुसंख्यक है और इसमें भी एक बड़ा हिस्सा धार्मिक रूप से जागरूक व पंथक प्राथमिकताओं को मानने वाला है। ऐसे में श्री अकाल तख्त के हुक्मनामे से बड़ा असर पंथक वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है। इस प्रकरण के बाद आप को अपने पंथक वोट बैंक के खिसकने की आशंका सता रही है। लिहाजा पार्टी को इस वक्त डैमेज कंट्रोल करते हुए सत्ता वापसी के लिए अपनी चुनावी रणनीति में थोड़ा बदलाव करना होगा।

शिअद सूबे की सबसे बड़ी पंथक पार्टी

सियासी मसलों के माहिर परमजीत सिंह के अनुसार शिअद सूबे की सबसे बड़ी पंथक पार्टी मानी जाती है मगर पिछले कुछ समय से पंथक वोट बैंक इस दल से दूर हुआ है। अभी भी पार्टी के मुखिया सुखबीर बादल को कथित बेअदबी के एक मामले में जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। ऐसे में शिअद को भी अपनी पुरानी पंथक पकड़ मजबूत करने के लिए संगतों का दोबारा विश्वास जीतना होगा।

मुख्यमंत्री ने बादली हलके को दी 100 करोड़ रुपये की महा-सौगात

- झज्जर/बहादुरगढ़, एजेंसी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी झज्जर जिले के गांव मुनीमपुर पहुंचे। अपने इस महत्वपूर्ण दौरे पर मुख्यमंत्री ने बादली हलके के निवासियों को एक बड़ी सौगात देते हुए करीब 100 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया है। इस अवसर पर वे एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटित की गई परियोजनाओं में कृषि, शिक्षा, चिकित्सा और खेल सहित कई अहम क्षेत्र शामिल हैं। क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाली प्रमुख परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार हैः-

मुनीमपुर में पुष्प एवं बीज उत्पादन उत्कृष्टता केंद्र (इंडो-इजराइल मॉडल) किसानों को उन्नत तकनीक का लाभ बादली,नया उपमंडल भवन एवं आवासीय कॉलोनी 31.04 करोड़ रुपये, कुलाना में राजकीय महिला महाविद्यालय (Women's College) 12.25 करोड़ रुपये, निमाना में नया जलघर 10.14 करोड़ रुपये इंडो-इजराइल तकनीक से जुड़ेंगे किसानः मुनीमपुर में शुरू किया गया 'पुष्प एवं बीज उत्पादन उत्कृष्टता केंद्र' इंडो-इजराइल कृषि परियोजना की तर्ज पर बनाया गया है। इससे स्थानीय किसानों को विश्वस्तरीय बागवानी और बीज उत्पादन तकनीक मिलेगी, जिससे उनकी आय और फसल गुणवत्ता में भारी सुधार होगा।

सर्वांगीण विकास पर जोरः इन 100 करोड़ रुपये की योजनाओं के माध्यम से हलके में न केवल प्रशासनिक और शैक्षणिक ढांचा मजबूत होगा, बल्कि स्वास्थ्य, खेल और स्वच्छ पेयजल की दिशा में भी बड़ा कदम उठाया गया है।

दूसरी पत्नी को पूरी फैमिली पेंशन से वंचित नहीं कर सकते, ब्याज सहित बकाया राशि देने का निर्देश

चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पारिवारिक पेंशन को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मृत सरकारी कर्मचारी की दूसरी पत्नी को पूरी पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता। यह तब लागू होगा जब वह एकमात्र जीवित और पात्र दावेदार हो। हाईकोर्ट ने कहा कि केवल दूसरी पत्नी होने के आधार पर विधवा को 50 फीसदी पेंशन तक सीमित करना नियमों की गलत व्याख्या है। जस्टिस नमित कुमार ने गुरदासपुर निवासी एक महिला की याचिका स्वीकार की।

उन्होंने 25 मई 2022 के उस आदेश को रद्द किया जिसमें महिला को 50 फीसदी पेंशन का हकदार माना गया था। अदालत ने संबंधित विभाग को महिला को पूर्ण पारिवारिक पेंशन जारी करने का निर्देश दिया। साथ ही बकाया राशि ब्याज सहित देने का भी आदेश दिया गया। याचिकाकर्ता के पति पंजाब सरकार में जिला कोषागार अधिकारी थे। उनका निधन 14 नवंबर 2011 को हुआ था। पहली पत्नी का निधन 6 नवंबर 1980 को हो चुका था।

एनसीआर की सीमाओं में बदलाव नहीं: हरियाणा के सभी 14 जिले रहेंगे हिस्सा, NCR प्लानिंग बोर्ड की बैठक में निर्णय

- चण्डीगढ़-हरियाणा, एजेंसी।

हरियाणा के लिए नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) की सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। करनाल, पानीपत, जींद, महेंद्रगढ़ और भिवानी समेत राज्य के सभी 14 जिले एनसीआर का हिस्सा बने रहेंगे। यह फैसला मंगलवार को केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में लिया गया। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि राजधानी क्षेत्र के क्षेत्रीय दायरे में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और वर्तमान सीमा बनी रहेगी। इससे पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि हरियाणा के पांच जिलों को एनसीआर से बाहर किया जा सकता है, जिससे क्षेत्र में राज्य की हिस्सेदारी काफी घट जाती।

वर्तमान में हरियाणा के 23 में से 14 जिले एनसीआर के दायरे में आते हैं। सूत्रों ने बताया है कि एनसीआर क्षेत्र में कटौती से सबसे अधिक प्रभावित राजस्थान होता। प्रस्तावित पुनर्गठन के अनुसार राज्य से केवल भिवाड़ी ही एनसीआर में शामिल रह जाता। राजस्थान सरकार ने इस प्रस्ताव का खुलकर विरोध किया था और माना जा रहा है कि उसके कड़े रुख ने मंगलवार को लिए गए फैसले को प्रभावित करने में अहम भूमिका निभाई। यदि प्रस्ताव लागू होता तो हरियाणा के पांच जिले करनाल, जींद, महेंद्रगढ़, भिवानी, चरखी दादरी एनसीआर से बाहर हो जाते। इसका असर बुनियादी ढांचे में निवेश, भूमि उपयोग से जुड़ी मंजूरियों और एनसीआर दर्जे के तहत मिलने वाले विकास फंड पर पड़ सकता था।

रीजनल प्लान 2041 को अंतिम रूप देने के लिए कमेटी गठित

बैठक में रीजनल प्लान-2041 को अंतिम रूप देने के लिए केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों (हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं दिल्ली) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक सब-कमेटी गठित की गई है। यह सब-कमेटी 15 अगस्त तक अपनी अंतिम रिपोर्ट बोर्ड को सौंपेगी। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी योजना बोर्ड के इन निर्णयों से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र का संतुलित और सशक्त विकास सुनिश्चित होगा। हरियाणा सरकार एनसीआर के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और ग्रीनफील्ड शहरों व आरआरटीएस परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाएगी।

चार नए नमो सिटी बनेंगे, एक हरियाणा में विकसित होगा

मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में आर-आरटीएस (रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम) के साथ-साथ चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बोर्ड के सभी सदस्य राज्य एक-एक नए ग्रीनफील्ड शहर की विकास योजना भेजेंगे। नमो सिटी के नाम से विकसित होने वाले यह शहर आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और आत्मनिर्भर शहरी केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे। राष्ट्रीय राजधानी योजना बोर्ड की अगली बैठक दिसंबर 2026 में गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित की जाएगी।

अंबाला तक नहीं बढ़ेगा आरआरटीएस

बैठक के बाद एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) सिर्फ करनाल तक प्रस्तावित है। अंबाला तक इसे बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा- एनसीआर की योजना केवल दिल्ली के प्रभाव क्षेत्र को लगातार बढ़ाने की नहीं है। इसके बजाय ऐसे सुव्यवस्थित शहरी केंद्र विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है, जो निवेश, रोजगार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और आबादी को अपनी ओर आकर्षित कर सकें। उन्होंने संकेत दिया कि करनाल और अंबाला शहर भविष्य में मैग्नेट सिटी की भूमिका निभा सकते हैं। यानी ऐसे शहर, जो दिल्ली की ओर बढ़ने वाले विकास और आबादी के दबाव को अपने स्तर पर समाहित कर सकें और क्षेत्रीय विकास के नए केंद्र बनें।

चेक बाउंस मामले में अहम फैसला, सिक्योरिटी चेक कह देने से जिम्मेदारी से नहीं बच सकता आरोपी

- चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने चेक बाउंस मामलों पर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि केवल यह दावा करने से कि विवादित चेक खाली या सिक्योरिटी चेक था, आरोपी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी चेक पर अपने हस्ताक्षर स्वीकार करता है तो कानून यह मानकर चलता है कि चेक किसी वैध देनदारी या भुगतान के लिए जारी किया गया था।

जस्टिस संदीप मौदगिल की पीठ ने इस मामले में अहम टिप्पणी की कि नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा 118 और 139 के तहत शिकायतकर्ता के पक्ष में एक कानूनी अनुमान मौजूद होता है। लुधियाना के एक मामले में आरोपी ने अदालत में दलील दी थी कि उसने चेक केवल सुरक्षा के तौर पर दिया था। उसका दावा था कि चेक का दुरुपयोग किया गया। हालांकि, अदालत ने पाया कि आरोपी अपने इस दावे के समर्थन में कोई विश्वसनीय साक्ष्य पेश नहीं कर सका।

कानूनी अनुमान और बचाव

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति हस्ताक्षर किया हुआ खाली चेक किसी को सौंपता है तो यह माना जाएगा कि उसने सामने वाले को विवरण भरने की अनुमति दी थी। बाद में केवल यह कहना कि चेक में राशि या अन्य विवरण उसके द्वारा नहीं भरे गए, पर्याप्त बचाव नहीं है। आरोपी को ऐसा संभावित और भरोसेमंद बचाव पेश करना होगा जिससे शिकायतकर्ता का दावा गलत लगे। केवल सिक्योरिटी चेक कहना या साधारण इन्कार करना कानूनी अनुमान को खत्म करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट का उद्देश्य

हाईकोर्ट ने इसी आधार पर आरोपी की दलीलों को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने निचली अदालतों के फैसले में हस्तक्षेप करने से इन्कार किया। फैसले में कहा गया कि नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक और वित्तीय लेन-देन में चेक की विश्वसनीयता बनाए रखना है इसलिए बिना ठोस सबूत के ऐसे बचाव स्वीकार नहीं किए जा सकते।

रशदीप का कॉमनवेल्थ गेम्स में चयनः गांव के तानों को ट्रैक पर रौंदा, मां ने बेटी के सपनों के लिए बेचे थे गहने

- चण्डीगढ़-पंजाब, एजेंसी।

'कुड़ियां नूं बाहर ना भेजो... जिथे मुंडे खेडदे हण, उथे कुडी नूं क्यों ले जांदे हो?' यह वो कड़वे ताने थे, जो संगरूर जिले के गंडुआं गांव के किसान गुरलाल सिंह को रोज सुनने पड़ते थे। दो एकड़ जमीन के सहारे परिवार पालने वाले इस पिता के पास तब गांव के तानों का कोई जवाब नहीं था, लेकिन उनकी चमकती आंखों में एक जिद थी। आज उसी जिद ने इतिहास रच दिया है।

गुरलाल सिंह की 23 वर्षीय एथलीट बेटी रशदीप कौर का चयन राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय टीम में हो गया है। वह 4x400 मीटर रिले रेस में भारत की तरफ से हुंकार भरेगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान के इलाके की बेटी ने साबित कर दिया कि यदि हौसले बुलंद हों तो उड़ान भरने से कोई नहीं रोक सकता। एक मां का वो 'गुप्त बलिदान' जो बेटी आज भी नहीं जानती। इस कामयाबी के पीछे सिर्फ पसीना नहीं, बल्कि मां के गहनों का त्याग भी छुपा है। रशदीप की मां गुरपिंदर कौर ने एक भावुक खुलासा करते हुए बताया कि एक बार रशदीप को बड़ी प्रतियोगिता में भेजने और टिकट का खर्च उठाने के लिए घर में पैसे नहीं थे। तब उन्होंने अपनी सोने की चेन बेच दी थी। भावुक होते हुए रशदीप की छोटी बहन ने बताया कि मां ने मुझसे कहा था कि यह बात दीदी (रशदीप) को कभी मत बताना, वरना वो खेल पर ध्यान नहीं दे पाएगी। रशदीप को इस बलिदान की भनक नहीं है पर उस दिन मैंने खुद से वादा किया था कि जब दीदी कामयाब होगी, तो हम उसके लिए कई सोने के हार खरीदेंगे।

रूढ़ियों की दीवार ढहाई, तीनों बेटियों को बनाया नेशनल प्लेयर

जब रशदीप महज आठ साल की थी, तब पिता ने उसके भीतर की दौड़ने की प्रतिभा को पहचान लिया था। वो उसे लेकर गांव के मैदान में जाने लगे। समाज ने टोकना शुरू किया, लेकिन पिता ने हार नहीं मानी। उन्होंने न सिर्फ रशदीप बल्कि अपनी बाकी दो बेटियों (सुखमणि और रंजीत कौर) को भी मैदान में उतार दिया। समाज के तानों को अपनी जूतों तले रौंदते हुए गुरलाल सिंह की तीनों बेटियां राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हैं। रशदीप की सबसे छोटी बहन रंजीत कौर नेशनल लेवल की खो-खो खिलाड़ी है।

'सपने सच हो रहे हैं...'

जैसे ही कॉमनवेल्थ गेम्स की टीम में चयन की आधिकारिक मुहर लगी, रशदीप ने जालंधर से अपने गांव फोन किया और रोते हुए सिर्फ इतना कहा— 'माँ-पापा, हमारे सपने सच हो रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि जो ग्रामीण कभी गुरलाल सिंह को ताने देते थकते नहीं थे, अब उनके घर पर बधाई दे रहे हैं। पंजाब की इस बेटी ने साबित कर दिया है कि अगर हौसलों में उड़ान हो, तो बंदिशों का हर पिंजरा छोटा पड़ जाता है।

चार पुलिसकर्मी सस्पेंड

20 दिन तक छकाने वाला शातिर बदमाश अंबाला से फिर गिरफ्तार

- करनाल, एजेंसी।

पुलिस की सीआईए टीम ने सरकारी अस्पताल के कैदी वार्ड से फरार हुए शातिर बदमाश गुरजीत सिंह को आखिरकार दोबारा पकड़ लिया है। करीब 20 दिनों तक पुलिस को चकमा देने के बाद आरोपी को सीआईए टीम ने अंबाला से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को 25 मई को मेरठ रोड स्थित आवर्धन नहर के पास मुठभेड़ में दो गोली मारने के बाद हिरासत में लिया था।

इसके बाद आरोपी को इलाज के लिए जिला नागरिक अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती करा दिया था लेकिन तीन दिन की उप-चाराधीन हिरासत के बाद आरोपी 28 मई की रात सरकारी अस्पताल के कैदी वार्ड से पुलिस सुरक्षा को धत्ता बताते हुए फरार हो गया। आरोपी के दोबारा पकड़े जाने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली है, वहीं अब फरारी के दौरान उसे किसने शरण दी और भागने में किसने मदद की, इसकी भी गहन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार पंजाब के खरड़ क्षेत्र निवासी गुरजीत सिंह लंबे समय से हरियाणा समेत कई राज्यों की पुलिस के लिए वांछित था। उस पर लूट, फायरिंग और अन्य गंभीर आपराधिक मामलों के आरोप हैं। तरावड़ी स्थित पेट्रोल पंप पर फायरिंग कर लूट का प्रयास करने के मामले में पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। आरोपी के फरार होने पर पुलिस अधीक्षक ने उसकी निगरानी में तैनात चार पुलिस कर्मियों को निलंबित तक किया था।

चार पुलिसकर्मियों की निगरानी के बावजूद अस्पताल से हो गया था फरार

घायल आरोपी का इलाज सरकारी अस्पताल के कैदी वार्ड में चल रहा था। उसकी सुरक्षा के लिए चार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसके बावजूद 28 मई की रात करीब 12 बजे गुरजीत पुलिस को चकमा देकर अस्पताल से फरार हो गया। जब पुलिसकर्मी वार्ड में पहुंचे तो आरोपी बिस्तर पर नहीं मिला और वहां केवल उसकी हथकड़ी पड़ी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत अस्पताल पहुंचे। अस्पताल से आरोपी के फरार होने के बाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे थे। चार पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में एक हाई-प्रोफाइल आरोपी का फरार होना विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गया था। मामले में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों से भी पूछताछ की गई और विभागीय स्तर पर जांच शुरू की गई।

तरावड़ी पेट्रोल पंप पर की थी लूट की कोशिश, फायरिंग भी की थी

गुरजीत सिंह पर 2 मई की तड़के तरावड़ी स्थित चौधरी पेट्रोल पंप पर लूट का प्रयास के आरोप लगे थे। शिकायत के अनुसार वह बिना नंबर प्लेट की काली बाइक पर पेट्रोल पंप पहुंचा और पहले 100 रुपये का पेट्रोल डलवाया। इसके बाद उसने पिस्तौल निकालकर कर्मचारी सुरेश कुमार पर तान दी और कैश लूटने का प्रयास किया। लेकिन कर्मचारी सुरेश कुमार ने साहस दिखाते हुए आरोपी की पिस्तौल पर हाथ मार दिया और शोर मचा दिया। शोर सुनकर दूसरा कर्मचारी नरेश कुमार भी मौके पर पहुंच गया। दोनों ने मिलकर आरोपी का विरोध किया तो उसने फायरिंग कर दी।

हालांकि गोली किसी को नहीं लगी और बड़ा हादसा टल गया। पूरी घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी, जिसके आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही।

अंबाला से दोबारा गिरफ्तारी, अब फरारी की पूरी कड़ी खंगालेगी पुलिस

अस्पताल से फरार होने के बाद पुलिस की सीआईए टीम लगातार विभिन्न जिलों में दबिश दे रही थी। निगरानी, मुखबिर तंत्र और अन्य इनपुट के आधार पर आखिरकार पुलिस ने आरोपी को अंबाला से दोबारा गिरफ्तार कर लिया। अब उससे फरारी के दौरान इस्तेमाल किए गए ठिकानों, मददगारों और उसके नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जाएगी।

विश्व कप में मेस्सी का धमाका, हैट्रिक के साथ तोड़े रोनाल्डो-क्लास के रिकॉर्ड

• मेक्सिको सिटी, एजेंसी

मंगलवार को अल्जीरिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 3-0 से जीत के साथ अपने 2026 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करते हुए, 38 साल और 357 दिन के लियोनेल मेसी FIFA वर्ल्ड कप में हैट्रिक लगाने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बन गए। फॉक्स स्पोर्ट्स के अनुसार, मेसी ने रूस में हुए 2018 फीफा वर्ल्ड कप में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बनाए पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया; उस समय 33 साल के रोनाल्डो ने स्पेन के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी।

अर्जेंटीना के लिए अपने 200वें मैच में मेसी ने तीन अलग-अलग तरह के गोल किए: 17वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल की तेज़ फ्री किक के बाद दूर से एक ज़बरदस्त शॉट; मैक एलिस्टर के शॉट के रिबाउंड पर बॉक्स के अंदर से एक क्लोज़-रेंज फ़िनिश; और 76वें मिनट में खुद शुरू किए गए शानदार रन के बाद एक बेहतरीन कर्लिंग फ़िनिश। इस हैट्रिक के साथ मेसी FIFA वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज़्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज़ (16 गोल) के बराबर आ गए। वह ब्राज़ील के रोनाल्डो (15 गोल) से आगे निकल गए और जर्मनी के गर्ड मुलर और फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (दोनों के 14-14 गोल) के बराबर पहुँच गए। एम्बाप्पे ने उसी दिन सेनेगल के ख़िलाफ़ फ्रांस की 3-1 की जीत में दो गोल करके मुलर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

यह उपलब्धि मेसी के पहले वर्ल्ड कप गोल के ठीक 20 साल बाद मिली—जो उन्होंने 2006 वर्ल्ड कप में सर्बिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 6-0 से जीत के दौरान किया था—और यह उनके करियर का एक ऐतिहासिक पड़ाव बन गया। लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप में पहली हैट्रिक लगाने के साथ मिरोस्लाव क्लोसे के सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली जिसके दम पर गत चैम्पियन अर्जेंटीना ने ग्रुप चरण के पहले मैच में अल्जीरिया को 3 . 0 से हरा दिया। अब मेस्सी के 16 विश्व कप गोल हो गए हैं जिससे वह जर्मनी के क्लोसे के साथ सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में बराबरी पर आ गए हैं। इंटर मियामी के अपने साथी रौद्रिगो डि पॉल के पास के दम पर मेस्सी ने शुरूआती मिनटों में पहला गोल दागा।

दूसरा गोल दूसरे हाफ की शुरूआत में किया और तीसरा आखिरी मिनटों में दागा जिसके बाद दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। अर्जेंटीना के लिये सर्बिया और मोंटेनीग्रो के खिलाफ विश्व कप में पदार्पण के 20 साल बाद मेस्सी ने यह गोल दागा है। उन्होंने तब अपने पहले विश्व कप मैच में भी गोल किया था। टूर्नामेंट से पहले ही लग रहा था कि वह क्लोसे का रिकॉर्ड तोड़ देंगे लेकिन पहले ही मैच में तीन गोल करके उन्होंने इसकी बराबरी कर ली। यह उनके कैरियर की 61वीं और अर्जेंटीना के लिये खेलते हुए 11वीं हैट्रिक है। विश्व में लगातार पांचवें मैच में मेस्सी ने गोल दागा है।

आईसीसी रैंकिंग में श्रेयस को नुकसान, गुरबाज ने लगाई छलांग

• नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की वनडे रैंकिंग जारी की है। ऑस्ट्रेलिया के वनडे सीरीज में 2-1 से हराने के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों की बल्ले-बल्ले हो गई है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान और तस्कीन अहमद को फायदा हुआ है। शोरीफुल ने आखिर वनडे में छह विकेट लिए और रैंकिंग में 10 पायदान चढ़कर 18वें नंबर पर आ गए हैं। रहमान ने 12 स्थान ऊपर 25वें पर चले गए। तस्कीन पांच पायदान आगे बाढ़े और 27वें पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान नंबर-1 वनडे गेंदबाज हैं।

श्रेयस अय्यर ने झेला नुकसान

बांग्लादेश के तौहीद हृदय ने तीन मैचों में कुल 154 रन बनाए, जिसमें उनकी बेस्ट पारी 83 रन की थी। वह ODI बल्लेबाजों की लिस्ट में सात स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर आ गए। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को तीन स्थान का नुकसान झेलना पड़ा है। वह 15वें नंबर पर खिसक गए हैं। अय्यर ने धर्मशाला में अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे में सिर्फ 12 रन बनाए थे। धर्मशाला वनडे में शतक जड़ने वाले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज ने छह स्थान की छलांग लगाई है। वह अब 13वें नंबर पर आ गए हैं। रोहित शर्मा चौथे, शुभमन गिल पांचवें और केएल राहुल नौवें नंबर पर बरकरार हैं। विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं। वह अनफिट होने के कारण अफगानिस्तन सीरीज में नहीं खेल रहे। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल नंबर-1 वनडे बल्लेबाज हैं।

जोसेफ ने 42 पायदान ऊपर चढ़े

वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की सीरीज खत्म होने के बाद T20I रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुआ। मेजबान वेस्टइंडीज ने टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 11 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता। वह 17वें नंबर पर आ गए हैं। जोसेफ वनडे बॉलर्स की रैंकिंग में भी 42 पायदान ऊपर चढ़कर 27वें नंबर पर आ गए। उनके टीममेट जेसन होल्डर (11 स्थान ऊपर 28वें) ने भी सीरीज के दौरान दो मैचों में चार विकेट लेकर बढ़त बनाई। हालांकि, श्रीलंकाई खिलाड़ियों को भी लाभ मिला। कामिल मिशारा (24 पायदान चढ़कर 18वें पर) वनडे बल्लेबाद की लिस्ट में ऊपर आए हैं।

वैभव सूर्यवंशी के ऑन-फील्ड 'दंगल' पर बीसीसीआई सख्त, पूरी टीम को मिली ये नसीहत

• नई दिल्ली, एजेंसी

15 साल के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ श्रीलंका के खिलाफ इंडिया ए के गेम में जो कुछ भी हुआ था, उसके बाद से बहुत सी बातें सामने आ रही हैं। श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी हलमबागे ने ट्राई नेशन सीरीज के मैच के बाद वैभव से कुछ अपशब्द कहे थे, जिसके बाद वैभव ने उन्हें धक्का दिया था। हलमबागे पर ऐक्शन हो गया है, लेकिन अभी वैभव पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

इस बीच इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई की भी प्रतिक्रिया आ गई है और खिलाड़ियो को सख्त चेतावनी दे दी गई है कि उन्हें अपने गेम पर फोकस करना है।

BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने इंडिया 'A' प्लेयर्स से क्रिकेट पर फोकस रखने और ध्यान भटकाने वाली चीजों से बचने की अपील की।

टीम इंडिया का रास्ता इंडिया ए टीम से होकर भी जाता है। ऐसे में खिलाड़ियों को अपने गेम पर ध्यान देना चाहिए। सैकिया ने मंगलवार को टीओआई से बात करते हुए कहा, 'उन्हें दूसरी दिक्कतों में उलझने के बजाय अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। हमारी बस यही चिंता है कि वे अपना बेस्ट दें और भारत को ट्राई-सीरीज जीतने में मदद करें। इस समय, खिलाड़ियों को सिर्फ अपने क्रिकेट पर ध्यान देना चाहिए।'

कोच और मैनेजमेंट की जिम्मेदारी

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने सूर्यवंशी से इस घटना के बारे में बात की है, सैकिया ने कहा कि BCCI टूर्नामेंट के दौरान टीम की तैयारियों में दखल नहीं देता। उन्होंने कहा, 'ऐसे मामलों पर खिलाड़ियों से बात करना हमारी ड्यूटी नहीं है।

खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ और कोच सीरीज पर फोकस कर रहे हैं। हम नहीं चाहते कि वे उन मुद्दों से भटकें जो बहुत जरूरी नहीं हैं। ट्राई-सीरीज में भारत का परफॉर्मेंस और सफलता हमारा फोकस है।'

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित, अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की वापसी

• एंटीगा, एजेंसी

श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने अपनी टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और शमार जोसेफ की चोट के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज जोशुआ डा सिल्वा और अमीर जंगू को भी दोबारा मौका मिला है।

अल्जारी और शमार पिछले वर्ष भारत और न्यूजीलैंड दौरे के दौरान चोट के कारण टीम से बाहर थे। दोनों ने आखिरी बार 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मुकाबला खेला था। उनकी वापसी से वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है, जिसमें केमार रोच और जेडन सील्स भी शामिल हैं।

विकेटकीपर की भूमिका में जोशुआ डा सिल्वा की वापसी हुई है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने हालिया वेस्टइंडीज चैम्पियनशिप में सात पारियों में 413 रन बनाए और प्रतियोगिता के सबसे सफल बल्लेबाज रहे।

वहीं पिछले दौरे में विकेटकीपिंग करने वाले तेविन इमलाच को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ 18 से 21 जून तक होने वाले चार दिवसीय अभ्यास मैच के लिए वेस्टइंडीज चयन एकादश का कप्तान बनाया गया है।

बाएं हाथ के बल्लेबाज अमीर जंगू भी लंबे समय बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। उन्होंने घरेलू सत्र में सात पारियों में 411 रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा।

मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि हर टेस्ट सीरीज टीम के लिए अपनी पहचान मजबूत करने और बेहतर बनने का अवसर होती है।

उन्होंने कहा कि श्रीलंका मजबूत टीम है और वेस्टइंडीज को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी ने बताया कि खिलाड़ी 12 जून से एंटीगा में चल रहे उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जिससे टीम को अपनी तैयारी बेहतर करने का अवसर मिल रहा है।

यह सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र का हिस्सा है, जिसमें वेस्टइंडीज फिलहाल नौवें स्थान पर है। पहला टेस्ट 25 से 29 जून और दूसरा टेस्ट 3 से 7 जुलाई तक नॉर्थ साउंड में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज टेस्ट टीमः

रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), जॉन कैम्पबेल, टैगेनरीन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, केमार रोच और जेडन सील्स।

सोना खरीदारों की बल्ले-बल्ले! अमेरिका-ईरान समझौते से गिरे दाम

• नई दिल्ली, एजेंसी

सोने की कीमतों में मामूली गिरावट आई, क्योंकि तेहरान और वाशिंगटन के बीच युद्ध खत्म करने के लिए शांति समझौते की घोषणा के बाद सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग कम हो गई। दिल्ली में, 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,890 रुपये थी। सुबह लगभग 10:30 बजे, अगस्त 2026 डिलीवरी के लिए MCX गोल्ड फ्यूचर्स 0.30 प्रतिशत गिरकर 1,52,634 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। चांदी की कीमतों में भी मामूली बदलाव दिखा; जुलाई 2026 डिलीवरी के लिए MCX सिल्वर फ्यूचर्स 0.17 प्रतिशत गिरकर 2,49,674 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रहा था।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के मकसद से एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर होने के बाद, तेल की कीमतें और कम होकर $80 प्रति बैरल के स्तर पर आ गईं। इस अहम घटनाक्रम से 'स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज' के खुलने में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जो फरवरी 2026 के आखिर में युद्ध शुरू होने के बाद से बंद पड़ा था।

रविवार को अमेरिका और ईरान के अधिकारियों ने कहा कि वे युद्ध खत्म करने, ईरान पर अमेरिकी नाकेबंदी रोकने और होर्मुज़ जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने 'X' पर एक पोस्ट में कहा कि इस समझौते पर शुक्रवार को स्विट्ज़रलैंड में आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अमेरिकी डॉलर 10 दिनों के निचले स्तर पर आ गया, जिससे डॉलर में कीमत वाली कीमती धातुएँ (जैसे सोना-चाँदी) दूसरी करेंसी रखने वालों के लिए सस्ती हो गईं, जबकि तेल की कीमतों में 4% से ज़्यादा की गिरावट आई।

शेयर बाजार की रौनक लौटी, वैश्विक शांति के बीच फिर मार्केट कैप $5 ट्रिलियन के पार

• मुंबई, एजेंसी

भारत के शेयर बाज़ार ने एक अहम मुकाम हासिल किया। BSE पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइज़ेशन एक महीने से ज़्यादा समय में पहली बार फिर से $5 ट्रिलियन के स्तर पर पहुँच गया। यह तेज़ी तब आई जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा, जिससे जियोपॉलिटिकल तनाव और ग्लोबल एनर्जी सप्लाई को लेकर चिंताएँ कम हुईं। BSE पर लिस्टेड कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू बढ़कर $5 ट्रिलियन हो गई, जो आखिरी बार 8 मई को देखी गई थी। यह उपलब्धि दिखाती है कि विदेशी फंड की लगातार निकासी के बावजूद, पिछले कुछ हफ़्तों में घरेलू इक्विटी में मज़बूत रिकवरी हुई है।

तेल की गिरती कीमतों से बाज़ार में तेज़ी

वाशिंगटन और तेहरान के बीच अपने झगड़े को खत्म करने के लिए एक रूपरेखा पर सहमति बनने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई, जिससे बाज़ार में तेज़ी को काफी समर्थन मिला। तेल की कम कीमतों को भारत के लिए अच्छा माना जाता है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की ज़्यादातर ज़रूरतें आयात से पूरी करता है। इसी समय, इंडिया VIX (जिसे अक्सर मार्केट के डर का पैमाना माना जाता है) में भारी गिरावट देखी गई, जो निवेशकों के बीच कम अनिश्चितता और बेहतर रिस्क लेने की क्षमता का संकेत है।

ब्लू-चिप शेयरों के मुकाबले ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन बेहतर रहा

पिछले चार ट्रेडिंग सेशन में, BSE में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइज़ेशन 6 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ा है। अप्रैल की शुरुआत से इसमें लगभग 14 प्रतिशत की तेज़ी आई है। यह बढ़त बेंचमार्क इंडेक्स के बजाय ब्रॉडर मार्केट की वजह से हुई है। जहाँ अप्रैल से सेंसेक्स में लगभग 7 प्रतिशत की बढ़त हुई है, वहीं BSE मिडकैप 150 इंडेक्स में 16 प्रतिशत की बढ़त हुई है। इसी दौरान BSE स्मॉलकैप 250 इंडेक्स में 23 प्रतिशत और BSE माइक्रो-कैप 250 इंडेक्स में 26 प्रतिशत की तेज़ी आई है।

कारोबार के दौरान बेंचमार्क सेंसेक्स 397 अंक या 0.52 प्रतिशत बढ़कर 77,205.70 पर ट्रेड कर रहा था, जबकि इसने दिन का उच्चतम स्तर 77,215.87 छुआ था। वहीं, निफ्टी 50 में 95.65 अंक या 0.40 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 24,084.80 पर ट्रेड कर रहा था।

संक्षिप्त खबरें

महाराणा प्रताप जयंती पर...

उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि कोई व्यक्ति जो भी रास्ता चुनता है, वह सही है; यह पूरी तरह से उन पर, उनकी भावनाओं और ईश्वर या शुभ समय के बारे में उनकी सोच पर निर्भर करता है। इसी वजह से हमने सभी का स्वागत किया, सभी का पालन-पोषण और सुरक्षा की, और सभी के साथ ज्ञान साझा किया। भागवत ने आगे कहा कि हम विदेशों में गए, लेकिन हम कोई सेना लेकर नहीं गए। इसके बजाय, हम सेवा के लिए ज़रूरी ज्ञान, चिकित्सा विशेषज्ञता, शिक्षा और संस्कृति लेकर गए। हमने वहाँ जाकर दोस्ती की और उन दोस्ती के आधार पर हमने अपनी अच्छी खूबियों को पूरी दुनिया के साथ साझा किया। भारत के तौर पर हम इसी तरह जी रहे थे।

कांग्रेस का अमित शाह...

नेताओं के पाला बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस नेता का यह बयान आया है। शिवसेना (UBT) नेता संजय राउत ने मंगलवार देर रात आरोप लगाया कि राज्य के सांसदों को लुभाने की कोशिशें की जा रही हैं। X पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि अपना सपना मनी... मनी! ऐसी जानकारी है कि महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने के लिए आज रात 15 करोड़ रुपये की एडवांस रकम दी जाएगी। यह चौंकाने वाला और शर्मनाक है!

ये दावे तब सामने आए जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (UBT) में संभावित बगावत की खबरें तेज़ हो गईं; कहा जा रहा है कि कुछ लोकसभा सदस्य पार्टी से अलग होने पर विचार कर रहे हैं। राउत के दिल्ली दौरे के बाद भी सवाल उठे। इससे अटकलें लगाई जाने लगीं कि वह लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिल सकते हैं, ताकि संसद में अलग मान्यता पाने की कोशिश कर रहे शिवसेना (UBT) सांसदों के किसी भी कदम को रोका जा सके।

साइबर फ्रॉड पर अमित...

नए NCRP का दायरा बढ़ाकर इसमें सभी तरह के साइबर अपराधों को शामिल किया गया है, जिससे नागरिकों के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्म तैयार हुआ है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने 20 जनवरी, 2020 को NCRP को राष्ट्र को समर्पित किया। सरकारी पोर्टल यह भी बताता है कि वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती जटिलता से निपटने के लिए एक कॉमन इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम बनाया गया है। इस सिस्टम में कानून लागू करने वाली एजेंसियां, बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI), वित्तीय मध्यस्थ, पेमेंट वॉलेट और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया (NPCI) शामिल हैं, जो तेज़ी से और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

इसके अलावा, डिजिटल बैंकिंग, क्रेडिट और डेबिट कार्ड, UPI और अन्य पेमेंट सिस्टम के ज़रिए होने वाले फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड की तेज़ी से रिपोर्टिंग के लिए 'सिटिज़न फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम' बनाया गया है। नेशनल साइबरक्राइम हेल्पलाइन 1930 या नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के ज़रिए शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं।

रेल मंत्री का ऐलान, अगले...

गया है। काफी काम पहले ही पूरा हो चुका है और आगे का काम चल रहा है... खड़की, पुणे, घोरपड़ी, हडपसर, शिवाजीनगर, फुरसुंगी और आलंदी समेत कई स्टेशनों पर काम शुरू किया गया है।

वैष्णव ने कहा कि यह पुणे शहर का सबसे बड़ा जंक्शन है और अब तक यहाँ 6 प्लेटफॉर्म थे। अब इसे दोगुना करके 12 प्लेटफॉर्म बनाए जा रहे हैं, जिससे पुणे की क्षमता काफी बढ़ जाएगी। पुणे स्टेशन पर पहले होने वाले मेंटेनेंस का काम घोरपड़ी, फुरसुंगी और कुछ हद तक आलंदी में शिफ्ट किया जा रहा है, जिससे क्षमता और बढ़ेगी।

आलंदी में एक मेगा टर्मिनल बनाया जा रहा है... यह रोज़ाना 35 ट्रेनों को संभालने में सक्षम होगा। कुल मिलाकर, पुणे में इस काम को पूरा होने में लगभग 3 साल लगेंगे। अगले 1,000 दिनों में ज़्यादातर काम पूरा होने के साथ, पुणे की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। इसका मतलब है कि हम 20 अतिरिक्त ट्रेनें चला सकेंगे।

बड़ा सौदा

घाटे और कड़ी टक्कर के बीच बिका पिज़्ज़ा हट, 22500 में हुई डील

• मुंबई, एजेंसी

1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में बड़े हुए लोगों के लिए 'पिज़्ज़ा हट' सिर्फ़ फ़ास्ट-फ़ूड खाने की कोई आम जगह नहीं थी। यह वह दौर था जब जन्मदिन की पार्टियाँ, स्कूल-कॉलेज की उपलब्धियों का जश्न और परिवार के साथ वीकेंड पर बाहर घूमने का मज़ा पैन पिज़्ज़ा, गार्लिक ब्रेड और सॉफ्ट ड्रिंक्स के साथ पूरा होता था। भारत में पश्चिमी शैली की 'कैज़ुअल डाइनिंग' का स्वाद पहली बार इसी ब्रांड ने चखाया था। अब यादों से जुड़ी यह ग्लोबल पिज़्ज़ा चेन एक बिल्कुल नए युग में कदम रखने जा रही है।

पिज़्ज़ा हट, केएफसी और टैको बेल की पैरेंट कंपनी 'यम ब्रांड्स' ने चौतरफा प्रतिस्पर्धा और घाटे से जूझ रही इस चेन को 2.7 बिलियन डॉलर (लगभग ₹22,500 करोड़ से अधिक) के सौदे में बेचने का अंतिम फैसला कर लिया है।

इस मेगा डील के तहत पिज़्ज़ा हट का साम्राज्य भौगोलिक और रणनीतिक रूप से दो हिस्सों में विभाजित हो जाएगा।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, शंघाई मुख्यालय वाली कंपनी 'यम चाइना होल्डिंग्स' मुख्य भूमि चीन में पिज़्ज़ा हट के पूरे कारोबार को 1.2 बिलियन डॉलर में खरीदेगी।

जबकि चीन को छोड़कर भारत सहित बाकी दुनिया के तमाम देशों में पिज़्ज़ा हट के बिज़नेस को न्यूयॉर्क स्थित प्राइवेट इक्विटी फर्म 'लॉन्गरेंज कैपिटल' 1.5 बिलियन डॉलर में टेकओवर करेगी। सभी विनियामक और कानूनी मंज़ूरियां मिलने के बाद, इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरी तरह संपन्न होने की उम्मीद है।

पिछले कुछ वर्षों में फास्ट-फ़ूड इंडस्ट्री का समीकरण पूरी तरह बदल चुका है, और पिज़्ज़ा हट इस बदलाव के साथ तालमेल बिठाने में लगातार संघर्ष कर रहा था। वैश्विक स्तर पर कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और परिचालन लागत ने कंपनी के मुनाफे को भारी नुकसान पहुँचाया।

इसके अलावा वर्तमान में वजन घटाने वाली 'GLP-1' दवाओं (जैसे ओजेंपिक) की बढ़ती लोकप्रियता और उपभोक्ताओं के बीच 'हेल्दी ईटिंग' (स्वस्थ खान-पान) के प्रति बढ़ते रुझान ने फ़ास्ट-फ़ूड की बिक्री पर असर डाला है।

वहीं डोमिनोज़ जैसे सीधे प्रतिस्पर्धियों के अलावा स्विगी-जोमैटो जैसे डिलीवरी एग्रीगेटर्स और स्थानीय स्तर पर उभरने वाले पिज़्ज़ा आउटलेट्स ने पिज़्ज़ा हट के पारंपरिक 'डाइन-इन' (रेस्टोरेंट में बैठकर खाने) के मॉडल को कड़ी चुनौती दी।

लगातार कई तिमाहियों तक बिक्री में आई गिरावट के बाद यम ब्रांड्स ने रणनीतिक विकल्पों पर विचार करना शुरू किया था। कंपनी के सीईओ क्रिस टर्नर ने कहा, 'यह बिक्री यम! को एक अधिक केंद्रित कंपनी बनने में सक्षम बनाएगी।' इस बिक्री के बाद यम ब्रांड्स का मुख्य ध्यान केएफसी और टाको बेल पर होगा, जिन्होंने हाल के वर्षों में शानदार ग्रोथ दर्ज की है।

पिज़्ज़ा हट के सबसे महत्वपूर्ण बाज़ारों में से एक चीन है। यम चाइना द्वारा $1.2 बिलियन में इसे खरीदना एक बड़े वैश्विक ट्रेंड को दर्शाता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब स्थानीय उपभोक्ताओं की पसंद को समझने और कमर्शियल दबाव से निपटने के लिए क्षेत्रीय ऑपरेटरों को पूरा नियंत्रण सौंप रही हैं। हाल ही में जनरल मिल्स ने भी अपने हागेन-डाज़ (Haagen-Dazs) बिज़नेस को चीन की एक स्थानीय चाय चेन 'निंगजी' को बेचा है, जबकि स्टारबक्स भी अपनी चीनी हिस्सेदारी का एक बड़ा भाग 'बोयू कैपिटल' को बेच चुकी है।

एक ही गाड़ी में पहली, दूसरी और होने वाली तीसरी पत्नी के साथ दिखे आमिर, लोग बोले-गजब का टैलेंट है

• मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड स्टार आमिर खान अपने मॉडर्न फैमिली डायनामिक की वजह से ऑनलाइन चर्चा में हैं। अपनी बड़ी शादी से कुछ हफ्ते पहले, एक्टर को अपनी एक्स-वाइफ किरण राव और होने वाली पत्नी गौरी स्प्रैट के साथ समय बिताते हुए देखा गया। एक्स वाइफ के साथ गौरी का बॉन्ड देख कुछ लोगों को यकीन नहीं हुआ कि परिवार ऐसा कैसे हो सकता है। इंटरनेट पर इसके कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं।

ऑनलाइन वायरल हो रहे एक वीडियो में आमिर खान, गौरी, किरण, रीना और एक्टर के बेटे आजाद राव को परिवार के साथ बाहर घूमने के बाद एक ही गाड़ी में सफर करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में आमिर ड्राइवर के बगल वाली अगली सीट पर बैठे दिख रहे हैं, जबकि गौरी पिछली सीट पर किरण और आजाद के साथ बैठी हैं। फिर आकर पहली बीवी रीना भी उसी गाड़ी में बैठ जाती हैं। जब वे गाड़ी से निकलने की तैयारी करते हैं, तो गौरी और किरण को बातचीत करते हुए देखा जा सकता है और फिर दोनों हंसने लगती हैं।

लोगों ने वीडियो पर किया रिएक्ट

इस एक्स कपल के बीच के अच्छे तालमेल और किरण राव की एक्टर की होने वाली दुल्हन के साथ दोस्ती ने फैंस का ध्यान खींचा है। इस क्लिप पर रिएक्शन देते हुए एक फैन ने पूछा, 'डियर आमिर खान, यह कैसे हुआ?' एक ने लिखा- कमाल का परिवार है, पूरे भारत में इकलौते ही हैं ये लोग। एक ने लिखा- ये केवल आमिर खान ही कर सकते हैं।

आमिर खान का पूरा परिवार साथ

यह वीडियो ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई क्लासिक फिल्म 'लगान' की 25वीं सालगिरह के जश्न में किरण के शामिल होने के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है। इस इवेंट में एक्टर के परिवार के कई लोग एक साथ दिखे, जिनमें उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता भी शामिल थीं। गौरी भी इस जश्न में मौजूद थीं और उन्होंने आमिर के साथ हाथ में हाथ डालकर रेड कार्पेट पर वॉक किया।

रिश्ते को अलग लेवल पर ले जाने को तैयार आमिर

इस बीच, आमिर और गौरी की शादी की तैयारियां चल रही हैं। एक्टर ने कन्फर्म किया है कि शादी 5 जुलाई को होगी। शादी की खबरें ऑनलाइन आने के बाद, आमिर ने इन अटकलों पर बात की और 'वैरायटी' को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं अभी अमेरिका में ट्रैवेल कर रहा हूं। शादी की खबर सच है। यह 5 जुलाई को होगी।' अपने रिश्ते को ऑफिशियल करने के फैसले के बारे में बताते हुए एक्टर ने कहा, 'अब हम दोनों को लगता है कि हम अपने रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने के लिए तैयार हैं।'

कब है आमिर-गौरी की शादी?

कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, उम्मीद है कि यह कपल एक प्राइवेट सेरेमनी करेगा जिसमें करीबी परिवार वाले और दोस्त शामिल होंगे। शादी 5 जुलाई को हो सकती है।

कल्कि 2 में आलिया की एंट्री, हैदराबाद में चुपचाप शूट किया दमदार रोल

• मुंबई, एजेंसी

डायरेक्टर नाग अश्विन की फिल्म कल्कि साल 2024 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर रही है, जिसमें प्रभास, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे सुपरस्टार्स ने धमाल मचाया था। अब इसके दूसरे पार्ट को लेकर एक बहुत बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बॉलीवुड क्वीन आलिया भट्ट अब इस बड़े साइंस-फिक्शन यूनिवर्स का हिस्सा बन चुकी हैं।

खबर है कि आलिया ने पिछले महीने हैदराबाद में लगभग 5 दिनों तक फिल्म के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग भी पूरी कर ली है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इसका कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया है, लेकिन अगर ये खबर सच है, तो प्रभास और नाग अश्विन के साथ आलिया का यह पहला बड़ा कोलेबोरेशन होगा।

दीपिका की जगह साई पल्लवी की एंट्री, तो आलिया का क्या है रोल?

शुरुआत में ऐसी अफवाहें थीं कि दीपिका पादुकोण के फिल्म से बाहर होने के बाद आलिया भट्ट उनके किरदार सुमति (भगवान कल्कि की मां) का रोल निभाएंगी। लेकिन ताजा अपडेट्स कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। चर्चा है कि दीपिका के हटने के बाद सुमति का रोल निभाने की रेस में साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी सबसे आगे चल रही हैं। वहीं, आलिया भट्ट को इस फिल्म में रिप्लेसमेंट के तौर पर नहीं, बल्कि एक बिल्कुल नए और बेहद दमदार कैरेक्टर के लिए कास्ट किया गया है, जो कहानी में एक नया ट्विस्ट लेकर आएगा।

कब रिलीज होगी कल्कि 2?

कल्कि 2 के अगले फेज की शूटिंग को लेकर टीम काफी एक्टिव नजर आ रही है। खबरों की मानें तो फिल्म का बाकी शेड्यूल अगले साल अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। मेकर्स इस फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन और हैवी वीएफएक्स पर काफी समय लगाने वाले हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार विजुअल एक्सपीरियंस मिल सके। फिलहाल फिल्म को दिसंबर 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग की जा रही है, हालांकि अभी फाइनल रिलीज डेट का इंतजार है।

आलिया की अल्फा भी है तैयार

कल्कि 2 के बज के बीच आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा को लेकर भी काफी चर्चा में हैं। वाई-आरएफ स्पाई यूनिवर्स की इस पहली फीमेल लीड फिल्म में आलिया के साथ शर्वरी, बॉबी देओल और अनिल कपूर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म इसी साल 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं सोनू निगम, 52 साल के सिंगर ने बयां किया दर्द

• मुंबई, एजेंसी

एक से बढ़कर एक हिट गाने देने वाले सिंगर सोनू निगम अपने कमिटमेंट के कितने पक्के हैं, इस बात का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि एक हफ्ते से दर्दनाक बीमारी से जूझने और मेडिकल ट्रीटमेंट चलने के बाद भी सिंगर ने फैंस के लिए मुंबई में लाइव परफॉर्मेंस करने का डिसीजन लिया है। सोनू निगम ने हाल ही में अपने फैंस के साथ खुद यह जानकारी शेयर करते हुए बताया कि वह एक दर्दनाक बीमारी है, जिससे वह काफी परेशान चल रहे हैं।

सोनू निगम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया , जिसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया कि वह नसों में दबाव की समस्या से जूझ रहे हैं, जहां उन्हें कई मेडिकल परीक्षण से गुजरना पड़ रहा है, ताकि वह असली समस्या की जड़ का पता लगा सके। वीडियो में उन्होंने कहा, 'मेरी नसों पर दबाव पड़ रहा है। मैं एक हफ्ते से एमआरआई और सिटी स्कैन करवा रहा हूं,यहां तक कि मैंने कई मेडिसन भी ली हुई हैं।' इस वीडियो में सिंगर ने यह भी बताया कि जिस तरह की स्वास्थ्य समस्या से वह गुजर रहे हैं, उसके लिए उन्हें लगातार मेडिकल अटेंशन की जरुरत है।

सोनू निगम ने यह भी बताया कि वह इस कंडीशन के लिए फिजियोथेरेपी भी ले रहे हैं, जो बहुत ही चैलेंजिंग है। उन्होंने कहा, फिजियोथेरेपी बहुत ही दर्दनाक है। अभी मैं लगातार पेन किलर खा रहा हूं, जिसकी वजह से मेरा गला थोड़ा भारी हो गया है।' हालांकि, मेडिकल कंडीशन के बावजूद सिंगर ने अपने फैंस को ये सुनिश्चित किया कि उनका अपना कंसर्ट कैंसिल करने का कोई भी इरादा नहीं है। उन्होंने बताया कि वह एक लंबे गैप के बाद गाने के लिए बहुत ही एक्साइटेड हैं और फैंस से किया हुआ कमिटमेंट नहीं तोड़ना चाहते हैं।

52 साल के अपने पसंदीदा सिंगर को स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते देखकर फैंस भी काफी चिंतित हो उठे। एक यूजर ने लिखा, 'आप जल्दी ठीक हो जाओ सोनू सर...आपकी आवाज हमें हील करती है।

गोविंदा के बालों का खुला राज! पत्नी सुनीत बोलीं- हां, हेयर पैच लगाते हैं, इसमें बुरा क्या?

• मुंबई, एजेंसी

गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा पर्दे के पीछे रहकर अपने पति का करियर संभालने में बिताया है। लेकिन अब वे सोशल मीडिया और यूट्यूब के जरिए अपनी खुद की एक अलग पहचान बना रही हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में सुनीता ने बड़े ही मजाकिया अंदाज में बताया कि एक बार जब उनसे पूछा गया कि क्या गोविंदा 'GOAT' हैं, तो उन्हें इस शॉर्ट फॉर्म का मतलब ही नहीं पता था। उन्हें लगा कि सचमुच 'बकरी' की बात हो रही है।

सुनीता ने हंसते हुए कहा, 'मैंने तो बोल दिया कि मेरे पति बकरी नहीं हैं, मैं तो उन्हें शेर कहने वाली थी! अगर मुझे इसका असली मतलब पता होता, तो मैं तुरंत मान जाती क्योंकि गोविंदा से बेहतर कोई कलाकार नहीं है।'

हां, गोविंदा हेयर पैच लगाते हैं

इंटरव्यू के दौरान सुनीता ने गोविंदा के लुक्स और उनके बालों को लेकर भी एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बेहद कूल अंदाज में कहा कि गोविंदा आज भी बहुत हैंडसम लगते हैं, लेकिन पहले उनके असली बाल थे और अब वे 'हेयर पैच' का इस्तेमाल करते हैं। सुनीता ने कहा, 'इसमें छुपाने जैसी कोई बात नहीं है। आजकल फिल्म इंडस्ट्री में चाहे पुरुष हों या महिलाएं, लगभग सभी एक्टर्स अपने बालों के लिए कुछ न कुछ ऐसा करवाते ही हैं।' सुनीता ने अपनी लव स्टोरी शेयर करते हुए बताया कि उन्हें 15 साल की उम्र में गोविंदा से प्यार हुआ था और आज वे दोनों पिछले 43 सालों से साथ हैं।

'बिग बॉस' को लेकर सुनीता का कड़ा रुख

जब सुनीता से सलमान खान या अनिल कपूर के रियलिटी शो 'बिग बॉस' में जाने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ मना कर दिया। उन्होंने गुस्से में कहा, 'मेकर्स मुझे पिछले चार सालों से 'बिग बॉस' का ऑफर दे रहे हैं, लेकिन क्या आपको लगता है कि हम किसी आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं? क्या कोई शाहरुख खान की पत्नी से ऐसा सवाल पूछेगा? मैं तो यह शो देखती तक नहीं।'

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें किसी शो में कंटेस्टेंट बनने के बजाय जज बनने में ज्यादा दिलचस्पी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सुनीता जल्द ही नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप' सीजन 2 में नजर आने वाली हैं और फिलहाल वे शिल्पा शेट्टी के शो 'मां है ना' में दिखाई दे रही हैं।

लेबनान पर भड़के ट्रंप, नेतन्याहू को दी कड़ी चेतावनी

• एवियान, एजेंसी

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उन्हें 'व्हाइट हाउस में इज़राइल का अब तक का सबसे बड़ा दोस्त' बताया था।

हालांकि, हाल ही में ईरान से जुड़े विवाद को खत्म करने के लिए डील को अंतिम रूप देने की कोशिश करते हुए ट्रंप ने बहुत ज़्यादा आलोचनात्मक रुख अपनाया है। कई सार्वजनिक बयानों में, उन्होंने इज़राइल का समर्थन करने में अपनी भूमिका का श्रेय लिया और साथ ही नेतन्याहू के नेतृत्व वाले फैसलों पर कड़े सवाल भी उठाए। ट्रंप ने कहा कि मेरे बिना इज़राइल का अस्तित्व ही नहीं होता और कहा कि अमेरिका का कोई भी दूसरा राष्ट्रपति उस देश के समर्थन में ऐसे कदम उठाने को तैयार नहीं था। इंटरव्यू में उन्होंने नेतन्याहू को 'पागल' भी कहा, जो दोनों नेताओं के बीच हुई एक बहुत ही तीखी और सीधी बातचीत थी।

नेतन्याहू, जो अमेरिका के चार अलग-अलग राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान इज़राइल के प्रधानमंत्री रहे हैं, के कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि उनके पिछले मतभेदों में से कोई भी इतना सार्वजनिक या सीधा नहीं था, जितना ट्रंप के साथ हुआ है। यह तनाव तब पैदा हुआ जब ट्रंप ने लेबनान में इज़राइल की हालिया सैन्य कार्रवाई की आलोचना की; उनका मानना है कि इससे वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही बातचीत मुश्किल हो सकती है।

ट्रंप को सामने बिठाकर G7 के मंच से PM मोदी ने भारतीयों की मौत पर दिया दुनिया को क्लीयर मैसेज

• एवियान, एजेंसी

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियान में जी7 शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान भारतीय नाविकों की दुर्दशा का मुद्दा उठाया। एक अमेरिकी हमले में भारतीय नाविकों की मौत पर चिंता जताने के लिए शिखर सम्मेलन का मंच चुनते हुए, मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित जी7 नेताओं से कहा हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें और नाविक बिना किसी डर के अपना काम कर सकें।

नई साझेदारियां बनाने और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को फिर से कायम करने' पर आयोजित एक सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में अस्थिरता ने न केवल अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि आम नागरिकों की जान भी ली है, जिनमें समुद्र में काम करने वाले भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री व्यापार में रुकावटों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें जो वैश्विक समुद्री व्यापार के जरिए सभी देशों को जोड़ते हैं। हमें यह पक्का करना होगा कि समुद्री रास्ते सुरक्षित रहें और नाविक बिना किसी डर के अपना काम कर सकें। अपने संबोधन में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और घटनाक्रमों पर चर्चा करते हुए मोदी ने देशों के बीच भरोसे की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज सबसे अहम रणनीतिक संपत्ति खनिज, तकनीक या बाज़ार नहीं, बल्कि आपसी भरोसा है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया पहले से कहीं ज़्यादा आपस में जुड़ी और एक-दूसरे पर निर्भर है। किसी देश की ऊर्जा, भोजन, स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा, साथ ही उसकी आर्थिक समृद्धि, सिर्फ़ उसकी अपनी सीमाओं के भीतर तय नहीं होती। आवाजाही, डेटा, पूंजी और प्रौद्योगिकी ये सभी हमें आपस में जोड़ते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में साझेदारी का महत्व स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है। हालांकि, साझेदारी तभी सफल होती है जब उसके मूल में भरोसा हो। मोदी ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों की चिंताओं का भी ज़िक्र किया और कहा कि वे वैश्विक विकास में भागीदार बनना चाहते हैं।

यह बयान ओमान की खाड़ी में पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर 'सेटेबेलो' से जुड़ी एक समुद्री घटना में तीन भारतीय क्रू सदस्यों की मौत के कुछ दिनों बाद आया है। इस जहाज पर कई देशों के क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें 24 भारतीय भी शामिल थे। अमेरिकी सेना ने इस जहाज पर हमला किया था क्योंकि आरोप था कि इसने ईरानी तेल ले जाते समय नाकेबंदी का उल्लंघन किया था। ओमान में भारतीय दूतावास ने बुधवार (17 जून) को बताया कि MT सेटेबेलो (MT Settebello) जहाज़ पर अमेरिकी हमलों में मारे गए दो भारतीय नागरिकों के शव भारत वापस लाए गए हैं। दूतावास ने 'X' पर एक पोस्ट में पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि शवों को भारत वापस लाया गया है।

दूतावास ने एक बयान में कहा, 'MT सेटेबेलो पर हुए हमले में दुखद रूप से जान गंवाने वाले श्री आदित्य शर्मा और श्री शिवानंद चौरसिया के शव भारत वापस लाए गए हैं। इस मुश्किल समय में हमारी गहरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं।

संक्षिप्त खबरें

ईरान-अमेरिका के बीच अंतिम समझौते को लेकर शुक्रवार से बातचीत : अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि युद्ध को समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद शुक्रवार से ईरान और अमेरिका के बीच अंतिम समझौते को लेकर बातचीत शुरू होगी। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी है। अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों के साथ बैठक के दौरान इस शांति समझौते के बारे में विस्तार से बताया। यह समझौता पाकिस्तान की मध्यस्थता से रविवार को ईरान और अमेरिका के बीच तय हुआ था। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि एक अंतिम समझौते तक पहुँचने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच नए दौर की बातचीत संभवतः शुक्रवार से शुरू होगी, जिसका स्थान अभी तय होना बाकी है। उन्होंने समझाया कि अमेरिका और इजरायल के आपराधिक हमलों के कारण दोनों देशों के बीच समझौता होना काफी मुश्किल हो गया था, इसलिए आखिरकार बातचीत को दो चरणों में बांटने का फैसला किया गया।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, विदेश मंत्री ने बताया कि पहला चरण युद्ध की समाप्ति, हॉर्मुज जलडमरूमध्य, अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाने, ईरान की रोकी गई संपत्तियों और युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई जैसे मुद्दों पर सहमति पत्र को अंतिम रूप देने से जुड़ा था। वहीं दूसरे चरण में, परमाणु मुद्दों और ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाने के लिए अंतिम समझौते पर पहुँचने के लिए 60 दिनों तक बातचीत जारी रहेगी। अराघची ने जोर देकर कहा कि पहले चरण में सबसे महत्वपूर्ण काम युद्ध की समाप्ति की घोषणा है। उन्होंने कहा कि उनके फैसले के मुताबिक, सोमवार सुबह जब समझौता निश्चित हुआ, तभी युद्ध खत्म होने का एलान भी कर दिया गया था लेकिन इस समझौते की आधिकारिक शुरुआत शुक्रवार से होगी। विदेश मंत्री ने कहा कि लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध का तुरंत और स्थाई अंत शायद इस समझौते का सबसे बड़ा मुद्दा है। उन्होंने बताया कि लेबनान में चल रहा युद्ध और दक्षिण लेबनान के खिलाफ इजरायल के हमले, ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध से जुड़ चुके थे और ये दोनों मोर्चे एक-दूसरे पर निर्भर हो गए थे।

इंडोनेशिया में भूकंप के जोरदार झटके, एक की मौत, 40 घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया के सेंट्रल सुलावेसी प्रांत में तेज भूकंप के कारण हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 40 अन्य लोग घायल हुए हैं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार मंगलवार को आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.7 मापी गई। भूकंप से 300 से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। एजेंसी ने बताया कि कम से कम 25 लोगों को मामूली चोटें आयीं और 13 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। साथ ही, कई ज़िलों में लगभग 110 परिवार या 312 लोग प्रभावित हुए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शुरुआती आकलन में कम से कम 67 क्षतिग्रस्त घरों, पूजा के छह स्थानों, दो पुलों, दो दफ्तरों की इमारतों और पालू, सिगी और पोसो को जोड़ने वाली एक प्रांतीय सड़क के आंशिक रूप से ढहने की जानकारी मिली है। अधिकारियों ने आपातकालीन राहत कार्य शुरू कर दिये हैं।

दक्षिणी लेबनान में इज़राइली हमले, चार लोगों की मौत

बेरूत। लेबनान के दक्षिणी हिस्सों में मंगलवार को हुए इज़राइली हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अलग-अलग स्थानों को निशाना बनाकर ड्रोन हमले किए गए। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, दक्षिणी शहर मायफादौन के मुख्य चौक पर एक के बाद एक तीन हमले हुए।

गुस्ताखी

अमेरिकी पैसिफिक कमांड की वेबसाइट पर दिखाया भारत का गलत नक्शा, POK को बताया PAK का हिस्सा

• नई दिल्ली/वाशिंगटन, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी और 'क्वाड' गठबंधन के भविष्य को लेकर एक नया कूटनीतिक विवाद खड़ा हो गया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने एक चौंकाने वाली घोषणा करते हुए 'US इंडो-पैसिफिक कमांड' का नाम बदलकर एक बार फिर उसका सात दशक पुराना नाम—'US पैसिफिक कमांड'—करने का आधिकारिक फैसला लिया है।

इस प्रशासनिक और प्रतीकात्मक बदलाव के बीच, अमेरिकी मिलिट्री कमांड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भारत का एक गलत नक्शा प्रदर्शित कर दिया है। इस नक्शे में पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (PoK) को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जिस पर भारत में तीखी प्रतिक्रिया होने की संभावना है।

2018 के ऐतिहासिक फैसले को अमेरिका ने पलटा

पेंटागन का यह ताजा फैसला साल 2013-2018 के दौरान विकसित हुई अमेरिकी रणनीतिक सोच के बिल्कुल विपरीत है। साल 2018 में अमेरिका के तत्कालीन रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते वैश्विक महत्व और पैसिफिक सुरक्षा के साथ इसके जुड़ाव को रेखांकित करने के लिए इस सैन्य कमांड का नाम बदलकर 'इंडो-पैसिफिक कमांड' किया था।

नाम बदलने के पीछे अमेरिका का तर्क

ऐतिहासिक विरासतः अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपने बयान में कहा है कि पुराने नाम को बहाल करने का मकसद कमांड की गहरी ऐतिहासिक जड़ों, उसकी संस्थागत विरासत का सम्मान करना और पैसिफिक में सेवा करने वाले सैनिकों में गर्व की भावना को बढ़ावा देना है।

ऑपरेशनल भूमिका में बदलाव नहीं: अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि नाम से 'इंडो' शब्द हटने के बावजूद कमांड के ऑपरेशनल मिशन, रणनीतिक दायरे या भौगोलिक सीमाओं में कोई बदलाव नहीं आएगा। इसकी जिम्मेदारी अभी भी अमेरिका के पश्चिमी तट से लेकर भारत की पश्चिमी समुद्री सीमा तक फैली रहेगी।

क्यों बेहद खास और शक्तिशाली है यह अमेरिकी कमांड?

मूल रूप से 1 जनवरी, 1947 को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन के कार्यकाल में स्थापित यह कमांड अमेरिकी सैन्य प्रणाली में सबसे पुरानी और सबसे बड़ी एकीकृत लड़ाकू कमांड है।

मुख्यालय और दायराः हवाई में हेडक्वार्टर वाली यह कमांड प्रशांत महासागर, हिंद महासागर के बड़े हिस्से, पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों की देखरेख करती है।

ऐतिहासिक महत्वः इस कमांड ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद एशिया की सुरक्षा व्यवस्था को आकार देने, कोरियाई और वियतनाम युद्ध के दौरान सैन्य अभियानों का समन्वय करने और बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता व आपदा राहत कार्यों का नेतृत्व किया है।

भारत से जुड़ावः भारत के लिए यह कमांड अमेरिका के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने का सबसे अहम जरिया रही है। भारत-अमेरिका के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास, समुद्री तालमेल और व्यापक इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत खुफिया जानकारी साझा करने का काम इसी कमांड के जरिए संचालित होता है।